लेखाशास्त्र

अध्याय-8: कम्पनी के वित्तीय विवरण

SHIVOM CLASSES 8696608541

वित्तीय विवरण का अर्थ

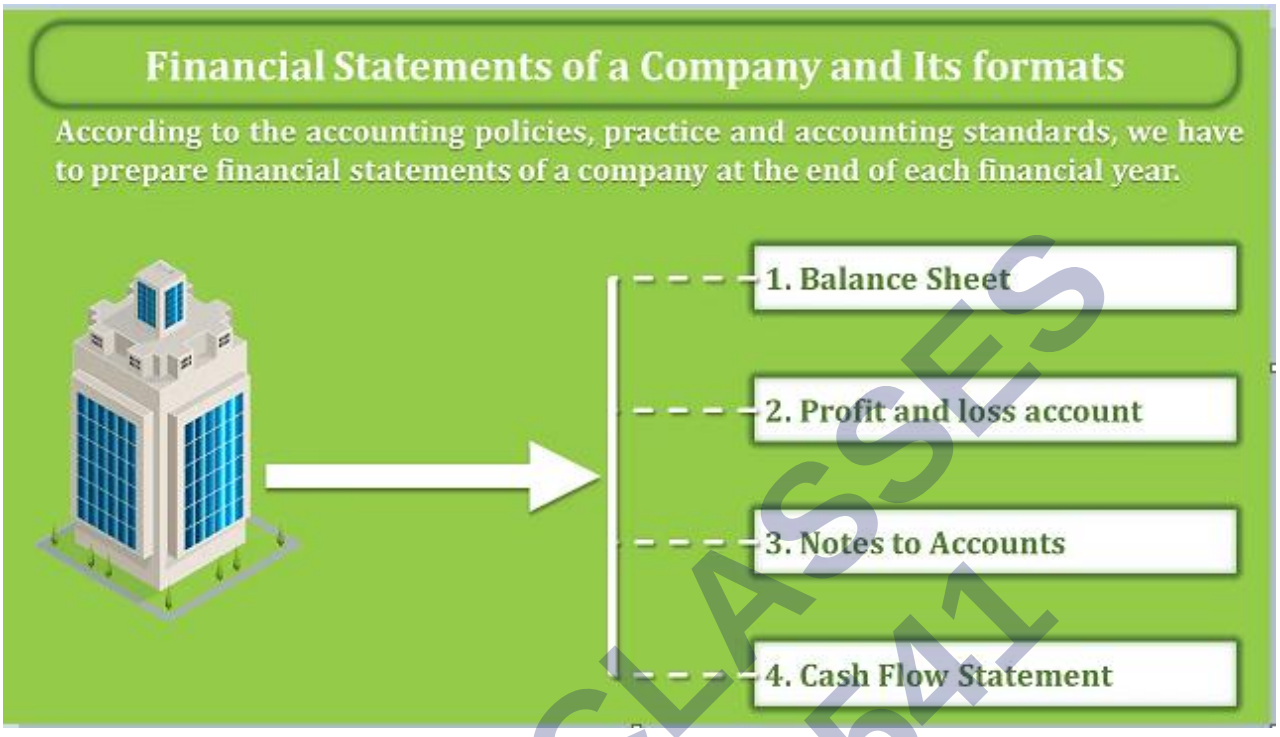

वित्तीय विवरण का अर्थ, उस विवरण पत्र से है जो वित्त से संबंधित सूचनाएं देता है। जब किसी भी व्यवसाय की वित्तीय स्थिति का ज्ञान प्राप्त करना होता है तो एक चिट्ठा तथा लाभ-हानि खाता बनाया जाता है। ये दोनों ही व्यावसायिक वित्तीय विवरण-पत्र कहलाते है। ये विवरण-पत्र किसी न किसी रूप मे वित्तीय स्थिति प्रकट कहते है। (चाहे वह संपत्तियों तथा दायित्वों के बारे मे हो या लाभ तथा हानि के बारे मे हो या कोषों, रोकड़ या कार्यशील पूंजी के बारे मे हो) अतः इन्हें वित्तीय विवरण पत्र कहा जाता है। अंशधारियों के हितों को ध्यान मे रखकर जब इनका प्रकाशन किया जाता है तो इन्हें प्रकाशित लेखों के नाम से भी जाना जाता है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 ने कंपनी अधिनियम 2013 के निर्धारित ।।। में बैलेंस शीट और लाभ और हानि खाते (आय स्टेटमेंट) के प्रारूप को निर्धारित किया।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2 (4) में निम्नलिखित वित्तीय विवरण शामिल हैं:

- तुलन पत्र
- नफा और नुक्सान खाता
- खातों के लिए नोट्स

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- नकदी प्रवाह विवरण

किसी कंपनी के वित्तीय विवरण की परिभाषा

"वित्तीय विवरण (Financial Statements of a Company) एक व्यावसायिक उद्यम के खातों का एक सारांश प्रदान करते हैं, एक निश्चित अवधि और आय विवरण पर एक निश्चित अवधि और आय विवरण को दर्शाती है कि एक निश्चित अवधि के दौरान परिणाम और संचालन दिखाते हुए बैलेंस शीट।"

– John N. Myer

"वित्तीय विवरण एक व्यावसायिक उद्यम के खातों द्वारा तैयार वित्तीय लेखांकन का अंतिम उत्पाद है जो उद्यम की वित्तीय स्थिति, इसकी हाल की गतिविधियों के परिणाम और कमाई के साथ क्या किया गया है, के विश्लेषण को प्रकट करने के लिए है।"

अच्छे वित्तीय विवरण के आवश्यक तत्व या विशेषताएं

1. तैयार करने मे सरल

जिन तथ्यों को वित्तीय विवरण मे सम्मिलित करना है वह सरलता से संस्था की लेखा पुस्तकों से मिल जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त वित्तीय विवरणों का आकार असाधारण रूप से बड़ा नही होना चाहिए।

2. बोधगम्यता

वित्तीय विवरणों मे दी जाने वाली सूचनाएं सरल, स्पष्ट, बोधगम्य होनी चाहिए जिन्हें एक साधारण व्यक्ति भी, जिसे लेखांकन के सिद्धांत का ज्ञान नही हो, आसानी से समझ सके। वित्तीय विवरणों का प्रारूप जटिल नही होना चाहिए तथा इनमें प्रयोग किये गये शब्द सरल, प्रचलित तथा गैर-तकनीकी होनी चाहिए।

3. विश्वसनीयता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विवरणों मे दी जाने वाली सूचनाएं विश्वसनीय होना चाहिए। वित्तीय विवरणों मे ऐसी सूचनायें ही दी जानी चाहिए जिनकी विश्वसनीयता को सत्यापित किया जा सके। सही निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए सूचनाओं का शुद्ध होना बहुत आवश्यक होता है।

4. तुलनात्मकता

वित्तीय विवरण ऐसा होना चाहिए ताकि उसकी तुलना भूतकाल मे हुए क्रियाकलापों तथा वर्तमान क्रियाकलापों से की जा सके। वास्तव मे वित्तीय विश्लेषण का आधार तुलना ही होता है। हम यह भी कह सकते है कि वित्तीय विवरण इस तरह तैयार किये जाये जिससे चालू वर्ष की प्रगति की तुलना गत वर्ष से की जा सके।

5. तत्परता

वित्तीय विवरण एक निश्चित समयावधि के लिये तैयार किये जाते है। अतः इस अविधि के अंत मे इन्हें तैयार व अंकेक्षित करवाकर संबंधित पक्षों को जानकारी दे देनी चाहिए। यदि उचित समय पर इन्हें उपलब्ध नही कराया गया तो इनका सफलतापूर्वक उपयोग नही हो सकता। निष्कर्षस्वरूप यह कहा जा सकता है कि वित्तीय विवरणों मे तत्परता का भी गुण होना चाहिए।

6. पूर्ण संतुष्टि

वित्तीय विवरण ऐसा होना चाहिए जिससे व्यवसाय की आवश्यकता की पूर्ण संतुष्टि हो सके क्योंकि जब तक उससे पूर्ण संतुष्टि न हो तब तक उसका कोई भी महत्व नही होता।

7. आकर्षक

वित्तीय विवरण इस ढंग से बनाये जाने चाहिए, कि जो देखने मे आकर्षक लगें। इसके लिये महत्वपूर्ण तथ्य आकर्षक स्याही से रेखांकित कर दिये जाने चाहिए।

8. शुद्धता

वित्तीय विवरण सही आँकड़ों से तैयार किये जाने चाहिए, जिससे अध्ययनकर्ता अध्ययन के बाद व्यवसाय के संबंध मे सही जानकारी प्राप्त कर सकें।

9. अविलम्ब प्रकाशन

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लेखा वर्ष की समाप्ति के बाद वित्तीय विवरणों को प्रकाशित कर दिया जाना चाहिए। विलम्ब से प्रकाशित वित्तीय विवरणों की उपादेयता समाप्त हो जाती है एवं इनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सूचनाएं एवं समंक अप्रासंगिक हो जाते है।

वित्तीय विवरण के उद्देश्य

1. वित्तीय सूचनाएं प्रदान करना

वित्तीय विवरणों का प्रारम्भिक उद्देश्य व्यवसाय के संबंध मे विभिन्न और विश्वसनीय वित्तीय सूचनाएं प्रदान करना है।

2. अर्जन क्षमता की जानकारी

वित्तीय विवरण ऐसी वित्तीय सूचनाएं प्रदान करते है जिससे व्यावसायिक उपक्रम की अर्जन स्थिति की जानकारी मिल सके और उसके आधार पर अर्जन क्षमता का अनुमान लगया जा सके।

3. वित्तीय स्थिति की जानकारी

वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यावसायिक इकाई के आर्थिक संसाधनों (संपत्तियों) तथा दायित्वों के संबंध मे विस्तृत एवं विश्वसनीय सूचनाएं प्रदान करना है।

4. वित्तीय स्थिति मे परिवर्तन की जानकारी

वित्तीय विवरणों का एक उद्देश्य यह भी होता है कि एक निश्चित अवधि मे वित्तीय संसाधनों एवं दायित्वों मे होने वाले परिवर्तनों को स्पष्ट करे। इसी दृष्टि से रोकड़ प्रवाह विवरण, कोष प्रवाह विवरण और विभिन्न अनुसूचियों को वित्तीय विवरणों मे शामिल किया जाता है।

5. वित्तीय पूर्वानुमान मे सहायता

वित्तीय विवरणों का एक उद्देश्य ऐसी सभी आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराना भी है जिनके आधार पर विश्वसनीय वित्तीय पूर्वानुमान लगाए जा सकें।

6. प्रयोगकर्ताओं के लिए विविध सूचनाएं

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विवरणों का उद्देश्य यह भी होता है कि विवरणों के विभिन्न प्रयोगकर्ताओं, जैसे-- विनियोगकर्ताओं, लेनदारों, वित्तीय संस्थाओं, स्कन्ध विपणि, शोधकर्ताओं इत्यादि की दृष्टि से भी यथा संभव पर्याप्त सूचनाएं प्राप्त हो सके।

वित्तीय विवरणों की सीमाएं

1. अत्यधिक सूक्ष्मता का अभाव

वित्तीय विवरणों के तथ्यों मे बहुत अधिक सूक्ष्मता नही होती है। क्योंकि इनकी विषय सामग्री ऐसे मामलों से संबंधित है जिसे सूक्ष्मता को व्यक्त नही किया जा सकता है। ये तथ्य लेखांकन मान्यताओं व प्रथाओं पर आधारित होते है।

2. गैरे-मौद्रिक तथ्यों का समावेश न होना

वित्तीय विवरण व्यवसाय का सही चित्र प्रस्तुत नही करते है। क्योंकि इनमें केवल मौद्रिक तथ्यों को ही सम्मिलित किया जाता है जबकि गैर-मौद्रिक तत्व भी व्यवसाय को प्रभावित करते है। उदाहरण के लिए व्यवसाय की साख, कर्मचारियों का मनोबल, प्रबंध की कुशलता आदि। लेकिन इन तत्वों को वित्तीय विवरण मे नही दर्शाया जाता है।

3. ऐतिहासिक प्रलेख

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक प्रलेख होते है। अतः व्यवसाय की वर्तमान स्थिति का सही चित्रण नही करते है।

4. भूतकालीन घटनाओं पर आधारित

वित्तीय विवरण भूतकालीन घटनाओं पर आधारित होते है। भविष्य के बारे मे जानकारी नही देते है।

5. ऊपरी दिखावे

वित्तीय विवरणों मे ऊपरी दिखावे का सहारा लेकर संस्था की स्थिति को वास्तविकता से अधिक अच्छा दिखाया जा सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

6. अन्तरिम प्रतिवेदन

वित्तीय विवरण अन्तरिम प्रतिवेदन होते है क्योंकि व्यवसाय के वास्तविक लाभ की जानकारी व्यवसाय के समाप्त होने के बाद ही जानी जा सकती है।

7. मूल्य परिवर्तन को न दर्शाना

वित्तीय विवरण मूल्य परिवर्तनों को नही दर्शाते। अतः विभिन्न वर्षों के वित्तीय विभागों मे दिखाए गए तुलनीय नही होते है।

8. व्यक्तिगत पक्षपात एवं ज्ञान से प्रभावित

वित्तीय विवरणों के समंक मूक होते है, उनसे कुछ भी निष्कर्ष निकाला जा सकता है, अतः इनके आधार पर निकाले गए निष्कर्षों मे प्रयोगकर्ता की व्यक्तिगत भावनाओं एवं ज्ञान का प्रभाव पड़ता है।

वित्तीय विवरण के कार्य व महत्व/उपयोगिता

1. प्रबंधकों के लिए

वित्तीय विवरणों का प्रमुख कार्य व्यवसाय संचालकों को पूर्ण रूप से सहायता करना है। व्यवसाय के प्रबंधकों को सफल व्यवसाय संचालन हेतु सही एवं विश्वसनीय समंको एवं सूचनाओं की आवश्यकता होती है, यह सूचानाएं प्रबंधकों को वित्तीय विवरणों की सहायता से ही उपलब्ध होती है। इन्ही सूचनाओं के माध्यम से प्रबंध यह ज्ञात कर सकता है कि व्यवसाय मे लगी हुई पूंजी को किस प्रकार प्रयोग किया जावे ताकि व्यवसाय की वित्तीय स्थिति सदैव सुदृढ़ बनी रहे। प्रबंधकों को नीति-निर्धारण करने मे भी ये वित्तीय विवरण काफी सहायता देते है। अतः वित्तीय लेखे प्रबंधकीय नीतियों मे सुधार, संचालन मे कुशलता तथा लाभप्रद क्रियाओं के निष्पादन मे महत्वपूर्ण स्थान रखते है।

2. बैंक के लिए

बैंक तथा ग्राहक का संबंध गोपनीय एवं महत्वपूर्ण संबंध होता है। चूंकि बैंक बहुत ही कम मार्जिन पर अपना व्यवसाय संचालित करती है, अतः विवरण उसके कार्यों को मूर्त रूप देने मे काफी सहायक

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

होते है। बैंक चाहता है कि उसके द्वारा दिये गये ऋण की अदायगी भुगतान तथि पर पूर्ण रूप से हो जानी चाहिए, इसकै लिए बैंक ग्राहक के वित्तीय विवरण के माध्यम से जानकारी ले सकती है कि ग्राहक की आर्थिक स्थिति वास्तव मे किस तरह की है? इसी के आधार पर बैंक ग्राहकों को ऋण देने मे अपने को सुरक्षित मानती है। इस प्रकार विभिन्न वित्तीय विवरण बैंक को ग्राहक की भावी योजना तथा आर्थिक स्थिति को दिखाते हुए ऋण देने अथवा न देने के संबंध मे निर्णय लेने मे सहायक होते है।

3. कर्मचारी

संस्था के कर्मचारी भी वित्तीय विवरण मे रूचि रखते है क्योंकि इन्ही के आधार पर कंपनी की लाभार्जन शक्ति एवं उत्पादकता की जानकारी मिलती है। बढ़ी हुई लाभार्जन शक्ति के आधार पर ही मजदूरी, कार्य करने की दशाएं तथा श्रम-कल्याण आदि सुविधाओं की मांग की जाती है।

4. ऋणदाता के लिए

प्रबंधकों, बैंक तथा कर्मचारियों के साथ ही वित्तीय लेखे ऋणदाताओं के लिए भी अत्यधिक सहायक व महत्वपूर्ण होते है। ऋणदाता व्यवसाय के वित्तीय विवरणों के माध्यम से व्यवसायी की भावी योजना तथा आर्थिक परिस्थितियों की जानकारी लेकर उस व्यापारी को उधार माल बेच सकता है अथवा न बेचने का निर्णय ले सकता है।

5. विनियोक्ता के लिए

वित्तीय विवरण विनियोक्ताओं को भी सहायता देते है एवं इनके लिए विशेष महत्व रखते है। विनियोक्ता संस्था की लाभार्जन शक्ति तथा प्रबन्धकीय योग्यता की जानकारी चाहता है। उसे इन बातों की सही-सही जानकारी वित्तीय विवरणों के माध्यम से ही प्राप्त होती है, इसी जानकारी के आधार पर वह उस संस्था मे विनियोग करने अथवा न करने का निर्णय आसानी से ले सकता है।

6. सरकारी विभाग

केन्द्रीय एवं राज्य सरकारों के अनेक विभागों एवं कार्यालयों, जैसे-- आयकर विभाग, कंपनी पंजीयन कार्यालय आदि को अपना कार्य सम्पादन करने के लिये व्यावसायिक संस्थाओं के वित्तीय विवरणों की आवश्यकता होती है। इसके अलावा पंचवर्षीय योजनाओं के अनुसार देश की संपूर्ण

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अर्थव्यवस्था को एक निश्चित दिशा प्रदान करने के लिए समय-समय पर समितियों या व्यावसायिक संस्थाओं को वित्तीय विवरणों की आवश्यकता होती है।

7. अन्य वर्ग

जनसाधारण, शोधकर्ता, पत्रकार, राजनीतिज्ञ भी कंपनी के वित्तीय विवरणों से आशानुकूल सूचनाओं की अपेक्षा करते है। वित्तीय विवरणों मे ग्राहक, व्यावसायिक प्रतिद्वंदी, विक्रेता, वितरक आदि भी रूचि लेते है।

इस प्रकार हम देखते है कि विभिन्न व्यक्तियों को किसी भी संस्था के वित्तीय विवरणों द्वारा काफी सहायता मिलती है। अपने इन्ही कार्यों की वजह से वित्तीय विवरण काफी महत्वपूर्ण स्थान रखते है।

वित्तीय विवरण की प्रकृति

1. लेखांकन सूचनाओं पर आधारित

वित्तीय विवरण लेखांकन सूचनाओं पर आधारित होते है। विभिन्न खातों मे प्रदर्शित किये गये आँकड़ों को इन विवरणों मे प्रस्तुत किया जाता है। चूंकि व्यावसायिक उपक्रम के लेखों को ऐतिहासिक लागत अथवा प्रतिस्थापन लागत पर प्रदर्शित किया जाता है। इसलिए य विवरण वर्तमान आर्थिक स्थिति को प्रदर्शित नही करते है।

2. लेखांकन अवधारणाओं पर आधारित

लेखांकन अवधारणाओं से आशय उन सिद्धांतों से है, जिनका पालन वित्तीय विवरण बनाते समय किया जाता है। लेखापाल विभिन्न लेखांकन अवधारणाओं के आधार पर लेखा पुस्तकों मे लेखा करते है। पृथक अस्तित्व, मुद्रा, मापन, चालू व्यावसाय, लेखांकन अवधि आदि अवधारणाओं के आधार पर लिपिबद्ध किये गये व्यवहारों के आधार पर ही वित्तीय विवरण तैयार किये जाते है।

3. लेखांकन परम्पराओं पर आधारित

लेखांकन व्यवसाय की भाषा है। लेखांकन की अपनी मान्य परम्परायें है। वित्तीय विवरण बनाते समय इन लेखांकन परम्पराओं का पालन किया जाता है। उदाहरण के लिये, अलग-अलग अवधियों

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मे समान रहेगा अथवा चालू व्यावसाय की मान्यता आदि। यह सभी परम्परायें वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय आधार का कार्य करती है।

4. लेखापालक द्वारा लिये गये निर्णय पर आधारित

लेखापालक द्वारा लेखा पुस्तकों का संधारण करते समय अनेक बार व्यक्तिगत निर्णय लेने पड़ते है। उदाहरण के लिये, अवक्षयण लगाने की किसी विधि को उपयोग मे लाया जाये, डूबत ऋण संचय बनाने का क्या आधार हो, स्कन्ध का मूल्यांकन किस विधि के अनुसार किया जाये। अतः यह स्पष्ट है, कि लेखापालक द्वारा किये गये व्यक्तिगत निर्णयों के आधार पर अनेक वित्तीय विवरण तैयार किये जाते है।

5. वास्तविक लागत पर आधारित

लेखा पुस्तकों मे अनेक व्यवहारों का लेखा उनकी वास्तविक लागत के आधार पर ही किया जाता है। किसी व्यवहार के औचित्यपूर्ण होने अथवा न होने अथवा किसी व्यवहार मे गड़बड़ी होने पर वित्तीय विवरण इन्हें ठीक नही कर सकता है। इस प्रकार वित्तीय विवरण व्यवसायिक उपक्रम की वास्तविक स्थिति को न प्रदर्शित करते हुए वैसी स्थिति को ही प्रदर्शित करते है, जैसी लेखा पुस्तकों मे अंकित की गयी है।

वित्तीय विवरण विश्लेषण की विधि

वित्तीय लेखों तथा विवरणों के सम्बन्ध में सामान्यत: प्रक्रियाएं अपनानी चाहिए-

- विश्लेषण सीमा का निर्धारण - विश्लेषण का कार्य आर्थिक स्थिति का ज्ञान, उपार्जन क्षमता का ज्ञान, ऋण वापसी की क्षमता का ज्ञान, संस्था की भावी सम्भावना का ज्ञान आदि से सम्बन्धित हो सकता है। यदि विश्लेषण के अध्ययन केकी सीमा आर्थिक स्थिति का ज्ञान हे,तो इसके लिए उसे स्थिति विवरण का अध्ययन करना ही पर्याप्त होगा, यदि उसकी अध्ययन सीमा उपार्जन क्षमता है तो उसे लाभ-हानि खाते का भी अध्ययन करना होगा और यदि उसकी अध्ययन सीमा कम्पनी की भावी सम्भावनाओं का अनुमान है तो उसे पिछले कई वर्षों के लेखे विवरणों के साथ-साथ संचालक के प्रतिवेदनों तथा अध्यक्ष के भाषणों का भी अध्ययन करना पड़ेगा।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- वित्तीय विवरणों का अध्ययन करना - एक बार जब विश्लेषण की सीमा का निर्धारण हो जाता है तब उसके बाद आवश्यक वित्तीय विवरणों का सम्पूर्ण अध्ययन किया जाता है।
- **अत्यन्त आवश्यक सूचनाओं का संकलन-** वित्तीय विवरणों के अध्ययन के साथ -ही - साथ यदि विश्लेषक को कुछ अन्य सूचनाएं जैसे-प्रबन्धकों से प्राप्त होने वाली उपयोगी सूचनाएं, बाह्य पत्र-पत्रिकाओं में छपी जानकारी आदि भी आवश्यक हो तो उन्हें संग्रहित किया जाता है।
- **वित्तीय विवरणों का पुनर्विन्यासन** - सूचनाओं के संग्रह के उपरान्त वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित मौलिक अंकों को अलग-अलग वर्गों से उचित तथा स्पष्ट रूप से विभाजित किया जाता है। मौलिक अंकों को पुनर्विन्यासित करते समय उन्हें निकटतम (Approximate) अंकों में जमाया जाता है। कई बार इन्हें प्रतिशत के रूप में जमाया जाता है, कई बार सम्पूर्ण राशि निकटतम हजार या लाख रूपयों में जमा ली जाती है,ऐसा करने में समंकों की जटिलता दूर हो जाती है तथा अध्ययन का कार्य सरल हो जाता है।
- **तुलना करना** - पुनर्विन्यासन के बाद विभिन्न मदों से आपसी तुलना की जाती है। तुलना का आधार केवल एक वर्ष के समंक हो सकते हैं तथा पिछले कई वर्षों के समंक भी हो सकते हैं। यदि दो कम्पिन्यों की परस्पर तुलना करनी हो तो दो कम्पनियों के समंक भी लिए जा सकते हैं। सम्पूर्ण उद्योग का अध्ययन क्षेत्र होने पर अनेक कम्पनियों के समंकों का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है।
- **प्रवृत्ति का अध्ययन** - उपर्युक्त अध्ययन से व्यवसाय के क्रमिक विकास या पतन की प्रवृत्ति ज्ञात की जाती है। प्रवृत्ति के अध्ययन से व्यवसाय से गत कई वर्षों में हुए परिवर्तनों का पता लग जाता है एवं प्रवृत्ति के आधार पर पूर्वानुमान लगाना सरला हो जाता है।
- **निर्वचन** - उपर्युक्त वर्णित विधि के आधार पर व्याख्या करके अपने अध्ययन क्षेत्र के सम्बन्ध में निष्कर्ष निकाले जाते हैं। निष्कर्ष निकालने की इस क्रिया को निर्वचन कहा जाता है।
- **प्रस्तुतिकरण** - जब निर्वचन से निष्कर्ष प्राप्त हो जाते हैं तो इन निष्कर्षों को सुव्यवस्थित रूप से प्रबन्धकों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। इसे लेखा समंकों का प्रस्तुतीकरण (Presentation), प्रतिवेदन (Reporting), या सूचित करना (Communications) भी कहते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

वित्तीय विवरण विश्लेषण की तकनीक

किसी व्यावसायिक उपक्रम की वित्तीय स्थिति और लाभार्जन शक्ति का ज्ञान प्राप्त करने के लिए उसके वित्तीय विवरणों की मदों में क्षैतिज अथवा लम्बवत् विश्लेषण का अध्ययन करने के लिए जिन उपायों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें वित्तीय विश्लेषण की तकनीकें कहा जाता है। लेकिन जिसका अत्यधिक उपयोग किया जाता है वे हैं-

- तुलनात्मक वित्तीय विवरण (Comparative Financial Statements),
- समानाकार वित्तीय विवरण (Common size Financial Statements)
- प्रवृत्ति विश्लेषण (Trend Analysis)
- अनुपात विश्लेषण (Ratio Analysis)
- कोष प्रवाह विश्लेषण (Fund-flow Analysis)
- रोकड़ प्रवाह विश्लेषण (Cash-flow Analysis)
- सम-विच्छेद विश्लेषण (Brek even Analysis)

तुलनात्मक वित्तीय विवरण -

यह वित्तीय विवरणों पत्रों के विश्लेषण की एक प्रमुख तकनीक है। इन विवरणों में दो या अधिक वर्षों के समंकों को दिखाते हुए उनके मध्य हुए परिवर्तनों को दर्शाया जाता है। कम्पनी अधिनियम 1956 में भी इस बात पर जो दिया गया है प्रत्येक कम्पनी अपने प्रकाशित वित्तीय विवरणों में वर्तमान वर्ष के साथ -साथ पिछले वर्ष की सूचनाएं भी प्रदर्शित करें। तुलनात्मक वित्तीय विवरण इन उद्देश्यों को दर्शाने के लिए तैयार किये जाते हैं-

- निरपेक्ष अंक (मुद्रा मूल्य में या रूपयों में)
- वृद्धि या कमी को प्रतिशतों के रूप में प्रकट करना
- वृद्धि या कमी को निरपेक्ष संस्थाओं में व्यक्त करना।

तुलनात्मक स्थिति विवरण का प्रारूप

तुलनात्मक स्थिति विवरण

..... को

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण	नोट संख्या	पिछला वर्ष (क)	वर्तमान वर्ष (ख)	सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी ग = ख − क	% परिवर्तन वृद्धि/घटी घ = ग/क x 100
I. समता एवं देयताएं					
1. अंशधारक कोष					
(क) अंश पूँजी					
(i) समता अंश पूँजी					
(ii) पूर्वाधिकार अंश पूँजी					
(ख) संचय एवं अधिक्य					
2. गैर चालू देयताएँ					
(i) दीर्घकालिक ऋण					
(ii) दीर्घकालिक प्रावधान					
3. चालू देयताएं					
(i) अल्पकालिक ऋण					
(ii) व्यापारिक देयताएं					
(iii) अन्य चालू देयताएं					
(iv) अल्पकालिक प्रावधान					
कुल योग					
II. सम्पत्तियां					
1. गैर चालू सम्पत्तियां					
(क) स्थाई सम्पत्तियां					
(i) वास्तविक					
(ii) अवास्तविक					
(ख) गैर चालू निवेश					
(ग) दीर्घ अवधि ऋण एवं अग्रिम					
2. चालू सम्पत्तियां					
(क) चालू निवेश					
(ख) रहतिया					
(ग) व्यापार प्राप्ताएं					
(घ) रोकड एवं रोकड़ सभ्य					
(ङ) अल्प कालिक ऋण एवं अग्रिम					
(च) अन्य चालू सम्पत्तियां					
कुल योग					

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Example:

एक्स लि. के 31 मार्च 2014 एवं 2013 के नीचे दिए गए स्थिति विवरण से तुलनात्मक स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

स्थिति विवरण

31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2013 को

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2014*	*31 मार्च 2013*
I. समता एवं देयताएं			
i. अंशधारक कोष			
1. अंश पूंजी समता		18,00,000	12,00,000
2. गैर चालू देयताएं			
दीर्घकालिक ऋण 8% ऋण पत्र (सुरक्षित)		6,00,000	6,00,000
3. चालू देयताएं			
व्यापार देयताएं		6,00,000	3,00,000
		30,00,000	21,00,000
II. सम्पत्तियां			
1. गैर चालू सम्पत्तियां			
स्थाई सम्पत्तियां : मूर्त सम्पत्तियां		18,00,000	15,00,000
2. चालू सम्पत्तियां			
(क) व्यापार प्राप्ताएं		10,00,000	5,00,000
(ख) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		2,00,000	1,00,000
		30,00,000	21,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

Solution:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

एक्स लि.
तुलनात्मक स्थिति विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को

विवरण	*नोट संख्या*	*31 मार्च 2013 (क)*	*31 मार्च 2014 (ख)*	*सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी ग = ख − क*	*% परिवर्तन वृद्धि/घटी घ = ग/क X 100*
I. समता एवं देयताएं					
i. अंशधारक कोष					
1. अंश पूँजी समता		12,00,000	18,00,000	6,00,000	50%
2. गैर चालू देयताएँ					
दीर्घकालिक ऋण :					
8% ऋण पत्र (सुरक्षित)		6,00,000	6,00,000		
3. चालू देयताएँ					
व्यापार देयताएँ		3,00,000	6,00,000	3,00,000	100%
कुल योग		**21,00,000**	**30,00,000**	**9,00,000**	**42.86%**
II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
स्थाई सम्पत्तियाँ					
मूर्त सम्पत्तियाँ		15,00,000	18,00,000	3,00,000	20%
2. चालू सम्पत्तियाँ					
(क) व्यापार सम्पत्तियाँ		5,00,000	10,00,000	5,00,000	100%
(ख) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		1,00,000	2,00,000	1,00,000	100%
कुल योग		**21,00,000**	**30,00,000**	**9,00,000**	**42.86%**

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2013	31 मार्च 2014	सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी	% परिवर्तन वृद्धि/घटी
I. परिचालन से आय					
II. अन्य आय					
III. कुल आय (I + II)					
IV. व्यय					
(क) उपयोग किए माल की लागत					
(ख) रहतिया का क्रय					
(ग) तैयार ताल, प्रगति के माल एवं माल के स्टॉक में परिवर्तन					
(घ) कर्मचारी लाभ व्यय					
(ङ) वित्तीय लागत					
(च) अवक्षयण एवं व्यय					
(छ) अन्य व्यय					
कुल योग					
V. कर पूर्व लाभ (III-IV)					
VI. घटा : कर					
VII. कर बाद लाभ					

SHIVOM CLASSES 8696608541

Example:

निम्न से तुलनात्मक लाभ–हानि विवरण बनाइए–

विवरण	नोट सं.	31 मार्च 2012 (₹)	31 मार्च 2011 (₹)
परिचालन से आय		15,00,000	10,00,000
व्यय		10,50,000	6,00,000
अन्य आय		1,80,000	2,00,000

Solution:

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

तुलनात्मक लाभ-हानि विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	नोट संख्या	31 मार्च 2013	31 मार्च 2014	सम्पूर्ण परिवर्तन वृद्धि/घटी	% परिवर्तन वृद्धि/घटी
I. परिचालन से आय		10,00,000	15,00,000	5,00,000	50%
II. अन्य आय		2,00,000	1,80,000	(20,000)	(10%)
III. कुल आय (I + II)		12,00,000	16,80,000	4,80,000	40%
IV. घटा : व्यय		6,00,000	10,50,000	4,50,000	75%
V. कर पूर्व लाभ (III + IV)		6,00,000	6,30,000	30,000	5%

समानाकार वित्तीय विवरण -

तुलनात्मक वित्तीय विवरणों के अन्तर्गत विभिन्न मदों का कुल सम्पत्तियों कुछ दायित्वों, कुल स्वामियों की समता तथा कुल विक्री में होने वाले परिवर्तनों को नहीं दर्शाया जाता है, जिससे उसकी तुलना अन्य कम्पनियों से या सम्पूर्ण उद्योग से नहीं की जा सकती है। इस कमी को दूर करने के लिए ही समानाकर वित्तीय विवरण का निर्माण किया जाता है। कैनेडी एवं मैकमूलन के अनुसार "यदि स्थिति विवरण एवं आय विवरण के समंकों को विश्लेषणात्मक प्रतिशतों के रूप में अर्थात् कुल सम्पत्तियों, कुल दायित्वों, स्वामित्व समता तथा कुल शुद्ध बिक्री के अनुपात में दिखाया जाए तो तुलना के लिए एक समान आधार तैयार हो जाता है। इस प्रकार तैयार किए गये विवरणों को समानाकार वित्तीय विवरणों के नाम से जाना जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

समान आकार स्थिति विवरण
31 मार्च 2014 को

विवरण	*नोट सं.*	*सम्पूर्ण राशि*		*स्थिति विवरण के आगे का प्रतिशत*	
		31 मार्च, 2013 (₹)	*31 मार्च, 2014 (₹)*	*31 मार्च, 2013 (%)*	*31 मार्च, 2014 (%)*
(1)	*(2)*	*(3)*	*(4)*	*(5)*	*(6)*
I. समता एवं देयताएं					
1. अंशधारक कोष					
(क) *अंश पूँजी*					
(i) समता अंश पूँजी		....	....	....	....
(ii) पूर्वाधिकार अंश पूँजी		....	....	....	....
(ख) संचय एवं आधिक्य		....	....	....	....
2. गैर चालू देयताएँ					
(क) दीर्घकालिक ऋण		....	....	....	....
(ख) दीर्घकालिक प्रावधान		....	....	....	....
3. चालू देयताएँ					
(क) अल्पकालिक ऋण		....	....	....	....
(ख) व्यापारिक देयताएँ		....	....	....	....
(ग) अन्य चालू देयताएँ		....	....	....	....
(घ) अल्पकालिक प्रावधान		....	....	....	....
कुल योग		....	....	100	100

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
(क) *स्थाई सम्पत्तियाँ*					
(i) मूर्त सम्पत्तियाँ		....	....	....	....
(ii) अमूर्त सम्पत्तियाँ		....	....	....	....
(ख) गैर चालू निवेश		....	....	....	....
(ग) दीर्घकालिक ऋण व अग्रिम		....	....	....	....
2. चालू सम्पत्तियाँ					
(क) चालू निवेश		....	....	....	....
(ख) रहतिया		....	....	....	....
(ग) व्यापार प्राप्ताएँ		....	....	....	....
(घ) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		....	....	....	....
(ङ) अल्पकालिक ऋण एवं अग्रिम		....	....	....	....
(च) अन्य चालू सम्पत्तियाँ		....	....	....	....
कुल योग		....	....	100	100

Example:

XYZ लि. के 31 मार्च 2014 एवं 2013 के नीचे दिए गए स्थिति विवरण से समान आकार का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

स्थिति विवरण

31 मार्च 2014 एवं 2013

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण	नोट सं.	31 मार्च, 2014 (₹)	31 मार्च, 2013 (₹)
I. समता एवं देयताएं			
1. अंशधारक कोष			
(a) अंश पूँजी		10,00,000	5,00,000
(b) संचय एवं आधिक्य		2,00,000	3,00,000
2. गैर चालू देयताएँ			
दीर्घकालिक ऋण		8,00,000	5,00,000
3. चालू देयताएँ			
व्यापारिक देयताएँ		4,00,000	2,00,000
कुल योग		**24,00,000**	**15,00,000**
II. सम्पत्तियाँ			
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ			
स्थाई सम्पत्ति : मूर्त सम्पत्तियाँ		15,00,000	10,00,000
2. चालू सम्पत्तियाँ			
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		9,00,000	5,00,000
कुल योग		**24,00,000**	**15,00,000**

Solution:

XYZ लि. का समानाकार स्थिति विवरण
31 मार्च, 2013 एवं 2014 को

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण	नोट सं.	परिवर्तन राशि		स्थिति विवरण के योग का प्रतिशत	
		31 मार्च 2013 (₹)	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (%)	31 मार्च 2014 (%)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
I. समता एवं देयताएँ					
1. अंशधारक कोष					
(a) अंश पूँजी		5,00,000	10,00,000	33.33	41.67
(b) संचय एवं आधिक्य		3,00,000	2,00,000	20.00	8.33
2. गैर चालू देयताएँ					
दीर्घकालिक ऋण		5,00,000	8,00,000	33.34	33.33
3. चालू देयताएँ					
व्यापारिक देयताएँ		2,00,000	4,00,000	13.33	16.67
कुल योग		15,00,000	24,00,000	100.00	100.00
II. सम्पत्तियाँ					
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ					
स्थाई सम्पत्ति : मूर्त सम्पत्तियाँ		10,00,000	15,00,000	66.67	62.50
2. चालू सम्पत्तियाँ					
रोकड़ एवं रोकड़ तुलय		5,00,000	9,00,000	33.33	37.50
कुल योग		**15,00,000**	**24,00,000**	**100.00**	**100.00**

नोट : प्रतिशत की गणना समता एवं देयताओं/कुल सम्पत्तियों के योग के आधार पर

$$\text{अंश पूँजी प्रतिशत में (31 मार्च 2013)} = \frac{5,00,000}{15,00,000} \times 100 = 33.33\%$$

इसी प्रकार अन्य प्रतिशत की गणना की जाएगी।

समान आकार लाभ-हानि का प्रारूप
(आय विवरण)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विवरण (1)	नोट सं. (2)	परिवर्तन राशि 2013 (₹) (3)	परिवर्तन राशि 2014 (₹) (4)	परिचालन से आय का प्रतिशत (शुद्ध विक्रय) 2013 (%) (5)	परिचालन से आय का प्रतिशत (शुद्ध विक्रय) 2014 (%) (6)
I. परिचालन से आय (शुद्ध विक्रय)		....	....	....	....
II. अन्य आय		....	....	....	....
III. **कुल आय (I + II)**		....	....	....	....
IV. **व्यय**					
(i) उपभोग्य समाग्री की लागत		....	....	....	....
(ii) व्यापारिक रहतियो का क्रय		....	....	....	....
(iii) रहतिये में परिवर्तन : तैयार माल कार्य प्रगति पर एवं व्यापारिक रहतियाँ		....	....	....	....
(iv) कर्मचारी लाभ व्यय		....	....	....	....
(v) वित्त की लागत		....	....	....	....
(vi) अवक्षय एवं व्यय		....	....	....	....
(vii) अन्य व्यय		....	....	....	....
कुल व्यय		....	....	....	....
V. **कर पूर्व लाभ (III - IV)**		....	....	....	....
VI. *घटा : आय कर*		....	....	....	....
VII. **कर के पश्चात लाभ (V - VI)**		....	....	....	....

Example:

स्टार लि. के 31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के नीचे दिए गए लाभ–हानि विवरण से समान आकर लाभ–हानि विवरण तैयार करें :

विवरण	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
परिचालन से आय	20,00,000	16,00,000
कर्मचारी लाभ व्यय	10,00,000	8,00,000
अन्य व्यय	1,00,000	2,00,000

Solution:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

समानाकार लाभ-हानि विवरण
31 मार्च 2013 एवं 2014 को समाप्त वर्ष के लिए

विवरण	नोट सं.	परिवर्तन राशि		परिचालन से आय का प्रतिशत (शुद्ध विक्रय)	
		2013 (₹)	2014 (₹)	2013 (%)	2014 (%)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
I. परिचालन से आय		16,00,000	20,00,000	100.00	100.00
II. कर्मचारी लाभ व्यय		8,00,000	10,00,000	50.00	50.00
अन्य व्यय		2,00,000	1,00,000	12.50	5.50
III. कुल व्यय		10,00,000	11,00,000	62.50	55.00
IV. कर पूर्व लाभ (I - III)		6,00,000	9,00,000	37.50	45.00

प्रवृत्ति विश्लेषण -

प्रवृत्ति से तात्पर्य व्यावसायिक गतिविधियों के रूख से होता है जिसकी गणना उपलब्ध वित्तीय समंकों में से किसी अवधि समंकों को आधार मानकर की जाती है। सामान्यतया सबसे पहले वर्ष को ही आधार वर्ष माना जाता है। मदों को तुलनीय बनाने के लिए आधार वर्ष की राशि को 100 मानकर अन्य वर्षों के उन्हीं मदों को प्रतिशतों अथवा अनुपातों में परिवर्तित कर दिया जाता है। इस प्रकार प्रवृत्ति ज्ञात करने की प्रमुख विधियां हैं-

- प्रवृत्ति प्रतिशत (Trend Percentages)
- प्रवृत्ति अनुपात (Trend Ratios)
- ग्राफ एवं चित्रमय प्रस्तुतीकरण (Graphic & Diagrammatic Representation)

अनुपात विश्लेषण

वित्तीय विवरणों के विलेषण में अनुपात विश्लेषण का विशेष महत्व है। इसमें विभिन्न प्रकार के वित्तीय अनुपातों की गणना की जाती है, जिनके माध्यम से महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकाले जाते हैं। इस विश्लेषण के माध्यम से संस्थान की तरलता स्थिति कार्यशीलता एवं कार्यकुशलता, लाभदायकता तथा पूंजी संरचना आदि की जांच की जाती है।

कोष प्रवाह

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

विश्लेषण किसी सस्था के दो स्थिति विवरणों के बीच संस्था के कोषों में परिवर्तन के अध्याय के लिए जो विवरण तैयार किया जाता है उसे कोष प्रवाह विवरण कहते हैं। इसके द्वारा हमें इस बात की जानकारी मिलती है कि संस्थान में संसाधन (Sources) कहां-कहां से प्राप्त हुए हैं तथा उनका उपयोग (Uses) किन-किन कार्यों में किया गया है।

रोकड़ प्रवाह

विश्लेषण रोकड़ प्रवाह विवरण के अन्तर्गत नकद के विभिन्न स्रोतों एवं उपयोगों का विश्लेषण किया जाता है। इसके माध्यम से यह ज्ञात किया जाता है कि रोकड़ राशि किन-किन साधनों से प्राप्त हुई तथा किन-किन मदों पर व्यय की गई है।

सम-विच्छेद

विश्लेषण सम-विच्छेद विश्लेषण एक ऐसी तकनीक है जिसके अन्तर्गत उत्पादन की एक निश्चित मात्रा के विक्रय करने पर उत्पादन कोन लाभ होता है न हानि। इसके अन्तर्गत लागतों को स्थायी एवं परिवर्तनशील श्रेणी में विभक्त कर दिया जाता है तथा लागत, लाभ एवं विक्रय के मध्य सम्बन्ध स्थापित किया जाता है। इस तकनीक के माध्यम से प्रबन्धक उत्पादन मूल्य निर्धारण विक्रय नीति, लाभ नीति के निर्धारण में मदद मिलती है।

कंपनी की बैलेंस शीट का प्रारूप (The Format of the Company's Balance Sheet): –

अनुसूची III, कंपनी I, 2013 के भाग I में निर्धारित कंपनी की बैलेंस शीट का प्रारूप: –

Balance Sheet as on_____			
Particulars (1)	Note no. (2)	Figures as at the end of the Current Reporting Period (3)	Figures as at the end of the Previous Reporting Period (4)
I. Equity and Liabilities			
1. Shareholders' Funds			
2. Share Application Money Pending Allotment			
3. Non-Current Liabilities			
4. Current Liabilities			
Total			
II. Assets			
1.Non-Current Assets			
2. Current Assets			
Total			

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लाभ-हानि विवरण का स्वरूप
लाभ-हानि का विवरण
वर्ष समाप्ति .....

विवरण	*नोट संख्या*	*वर्तमान रिपोर्ट अवधि की राशियां*	*पिछले रिपोर्टिंग अवधि की राशियां*
I. परिचालन से आगम		.....	.....
II. अन्य आय		.....	.....
III. **कुल आगम (I + II)**		.....	.....
IV. **व्यय**			
उपभोग की गई सामग्री की लागत		.....	.....
व्यापारिक स्टॉक का क्रय		.....	.....
तैयार माल, प्रगति में कार्य, स्टॉक, व्यापारिक स्टॉक		.....	.....
कर्मचारियों को दी जाने वाली सुविधाओं पर व्यय		.....	.....
वित्तीय लागत		.....	.....
अवक्षयण एवं व्यय		.....	.....
अन्य व्यय		.....	.....
कुल व्यय		.....	.....
V. **कर पूर्व लाभ (III - IV)**		.....	.....
VI. *घटा :* कर		.....	.....
VII. **अवधि का लाभ अथवा हानि (V - VI)**		.....	.....

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 172 - 175)

लघु उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 वित्तीय विवरणों का अर्थ स्पष्ट कीजिये।

उत्तर – वित्तीय विवरण (Financial Statements): वित्तीय विवरण वे आधारभूत एवं औपचारिक साधन होते हैं जिनके माध्यम से निगम (कम्पनी) प्रबन्ध स्वामियों तथा अन्य विभिन्न बाह्य उपयोगकर्ताओं, जिनमें निवेशक, कराधान अधिकारी, सरकार, कर्मचारी आदि सम्मिलित हैं, को वित्तीय सूचनाएँ संचारित करता है। इनमें मुख्यतः कम्पनी के लेखांकन अवधि के अन्त के तुलन-पत्र, लाभ व हानि विवरण और रोकड़ प्रवाह विवरण आते हैं। इस प्रकार ये सूचनाओं के स्रोत हैं जो किसी संगठन की लाभप्रदता और वित्तीय स्थिति सम्बन्धी निष्कर्ष निकालने हेतु सहायक होते हैं।

प्रश्न 2 वित्तीय विवरणों की सीमाएँ क्या हैं?

उत्तर – वित्तीय विवरणों की सीमाएँ (Limitations of Financial Statements): वित्तीय विवरणों की भी अनेक सीमाएँ होती हैं। यह केवल समग्र जानकारियाँ देते हैं ताकि उपयोगकर्ताओं की सामान्य आवश्यकताओं की तुष्टि हो लेकिन विशिष्ट आवश्यकताओं की तुष्टि नहीं होती है। ये तकनीकी विवरण हैं जो केवल लेखांकन ज्ञान रखने वाले व्यक्तियों द्वारा ही समझे जाते हैं। ये पिछली जानकारी प्रदर्शित करते हैं न कि वर्तमान स्थिति। जबकि किसी भी निर्णय लेने की प्रक्रिया के लिए वर्तमान स्थिति की जानकारी आवश्यक होती है।

इसके अतिरिक्त, कोई व्यक्ति संगठन के निष्पादन के बारे में मात्रात्मक बदलावों के बारे में अनुमान लगा सकता है न कि गुणात्मक बदलावों के बारे में, जैसे कि श्रम सम्बन्ध, कार्य की गुणवत्ता, कर्मचारी संतुष्टि आदि। इसके अलावा वित्तीय विवरण न तो परिपूर्ण होते हैं और न ही परिशुद्ध होते हैं क्योंकि आय एवं व्यय पृथक् होते हैं तथा स्वीकृत संकल्पना की बजाय सर्वोत्तम निर्णय का उपयोग करते हैं। अतः किसी भी निर्णय से पहले इन विवरणों का उचित विश्लेषण करने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार वित्तीय विवरणों की अनेक सीमाएँ होती हैं।

प्रश्न 3 वित्तीय विवरणों के किन्हीं तीन उद्देश्यों की सूची दीजिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – वित्तीय विवरणों के कोई तीन उद्देश्य निम्न प्रकार हैं।

(1) व्यवसाय के आर्थिक संसाधनों एवं दायित्वों के सन्दर्भ में सूचना उपलब्ध कराना (To Provide Information about Economic Resources and Obligations of the Business): वित्तीय विवरणों को तैयार करने का प्रथम उद्देश्य यह है कि एक व्यावसायिक फर्म के निवेशकों एवं बाहरी पक्षों, जिनका सीमित प्राधिकार, सक्षमता अथवा सूचना प्राप्ति के सीमित संसाधन होते हैं, के लिए उसके आर्थिक संसाधनों एवं दायित्वों के बारे में पर्याप्त, विश्वसनीय तथा आवधिक सूचना उपलब्ध कराई जा सके।

(2) व्यवसाय की अर्जन क्षमता के बारे में सूचना उपलब्ध कराना (To Provide Information about the Earning Capacity of the Business): वित्तीय विवरण उपयोगी वित्तीय सूचनाएँ प्रदान करते हैं जो कि एक व्यावसायिक फर्म की अर्जन क्षमता के पूर्वानुमान, तुलना तथा पुनर्मूल्यांकन के लिए लाभप्रद ढंग से उपयोग में लाई जा सकती हैं।

(3) रोकड़ प्रवाह के सन्दर्भ में सूचना उपलब्ध कराना (To Provide Information about Cash Flows): यह एक व्यवसाय के बारे में, उसके निवेशकों तथा ऋणदाताओं को उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराते हैं ताकि वे राशि, समयबद्धता तथा सम्बन्धित अनिश्चितताओं के परिप्रेक्ष्य में रोकड़ प्रवाह का पूर्वानुमान, तुलना, मूल्यांकन तथा सक्षमता को जान सकें।

प्रश्न 4 वित्तीय विवरणों का निम्नलिखित के लिए महत्त्व बताइए:

(i) अंशधारक

(ii) लेनदार

(iii) सरकार

(iv) निवेशक।

उत्तर – **(i) अंशधारकों (Shareholders) के लिए महत्त्व:** वित्तीय विवरण अंशधारकों के लिए प्रबन्धकों की कार्यदक्षता की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। वित्तीय विवरणों की सहायता से प्रबन्धन की कार्यदक्षता या निष्पादन तथा स्वामित्व की अपेक्षाओं के बीच अन्तर को समझा जा सकता है। साथ

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

ही कम्पनी के अंशधारक अपने किए गए निवेश की स्थिति, सुरक्षा तथा वापसी के बारे में जानने को उत्सुक रहते हैं। इसके साथ ही वे इस सन्दर्भ में भी जानकारी पाना चाहते हैं कि वे व्यवसाय में निवेश को बनाये रखें या उसे समाप्त कर दें। इस तरह के महत्त्वपूर्ण निर्णयों को लेने में वित्तीय विवरण अंशधारकों को जानकारी प्रदान करते हैं।

(ii) लेनदारों (Creditors) के लिए महत्त्व निगमित संस्थानों को बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों से विभिन्न उद्देश्यों हेतु ऋण उठाने पड़ते हैं। ऋणदाता संस्थान निगमों के वित्तीय निष्पादनों के आधार पर ऋण स्वीकृत करते हैं। अतः वित्तीय विवरण ऋणों के स्वीकार के लिए आधार बनाते हैं। इसके साथ-साथ वित्तीय विवरण लेनदारों को कम्पनी की दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋण शोधन क्षमता आकलन के साथ-साथ कारोबार की लाभदायकता को भी आँकने में सहायता देते हैं।

(iii) सरकार (Government) के लिए महत्त्व वित्तीय नीतियाँ, विशेष रूप से सरकार की कराधान नीतियाँ निगमित उपक्रमों के वित्तीय निष्पादन से सम्बन्धित होती हैं। वित्तीय विवरण औद्योगिक, कराधान तथा सरकार की अन्य आर्थिक नीतियों के लिए निविष्टि या निवेश प्रदान करते हैं। इस प्रकार सरकार के लिए भी वित्तीय विवरणों का बहुत महत्त्व है।

(iv) निवेशकों (Investors) के लिए महत्त्व: निवेशकों में दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों प्रकार के निवेशक सम्मिलित होते हैं। उनके निवेश के निर्णय में प्रमुख ध्यान देने योग्य बात अपने निवेश के लिए न्यायोचित लाभ के साथ सुरक्षा एवं तरलता होती है। वित्तीय विवरण निवेशकों को दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋण शोधन क्षमता आकलन के साथ-साथ कारोबार की लाभदायकता को भी आँकने में सहायता देते हैं।

प्रश्न 5 एक कम्पनी के तुलन-पत्र में निम्नलिखित मदों को आप किस प्रकार दर्शाएँगे:

(i) चालू परिसम्पत्तियाँ - रहतिया (Current assets - inventory)

(ii) नोट पर टिप्पणी में दी गई आकस्मिक देयताएँ (Contingent liabilities in notes to accounts)

(iii) अंशधारक निधि - संचय एवं अधिशेष (Shareholders' Funds - Reserve and Surplus)

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(iv) स्थिर परिसम्पत्ति - अमूर्त परिसम्पत्ति (Fixed Assets - Intangible Assets)

(v) चालू वर्ष के लिए प्रस्तावित लाभांश (Proposed Dividend for the current year)

(vi) गैर चालू देयताएँ (Non-Current Liabilities)

(vii) संचयी पूर्वाधिकार अंशों पर बकाया लाभांश (Arrears of Dividend on Cumulative Preference Shares)।

उत्तर –

Item line	Major Head	Sub Head
1. Current Assets - Inventory	ASSETS	Contingent Liabilities
2. Contingent liabilities in notes ot accounts	To be shown in Notes to Accounts :	
3. Shareholders' Funds - Reserve and Surplus	EQUITY AND LIABILITIES	Non-Current Assets
4. Fixed Assets - Intangible Assets	ASSETS	
5. Proposed Dividend for the Current Year	To be shown in Notes to Accounts	Contingent Liabilities
6. Non-Current Liabilities	EQUITY AND LIABILITIES	Commitments
7. Arrears of Dividend on Cumulative Preference Shares	To be shown in Notes to Accounts	

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 वित्तीय विवरणों की प्रकृति का वर्णन कीजिए।

उत्तर – वित्तीय विवरणों की प्रकृति (Nature of Financial Statements): वित्तीय विवरण तैयार करना लेखांकन प्रक्रिया का अन्तिम चरण है। इनका निर्माण उन समान्तर संगत लेखांकन नीतियों,

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

मानक परिकल्पनाओं, सिद्धान्तों और वैधानिक वातावरण के आधार पर होता है, जिनके अन्तर्गत व्यावसायिक संगठन अपने क्रियाकलापों का प्रचालन करता है। परिघटनाओं के तथ्यों का कालक्रमानुसार अभिलेखन जो कि एक स्पष्ट निश्चित अवधि के लिए मौद्रिक शब्दावली में व्यक्त किए जाएँ, वित्तीय विवरणों की आवधिक तैयारी के लिए आधार होते हैं जो कि एक अवधि के दौरान प्राप्त किए गए वित्तीय परिणामों के आधार पर एक विशिष्ट तिथि पर व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को प्रकट करते हैं।

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ सर्टिफाइड पब्लिक एकाउंटेंट्स (AICPA) ने वित्तीय विवरणों की प्रकृति को इस प्रकार व्यक्त किया है."वित्तीय विवरणों को एक आवधिक समीक्षा प्रस्तुत करने के लिए या प्रबन्ध द्वारा की गई प्रगति की रिपोर्ट को दर्शाने के उद्देश्य के लिए तैयार किया जाता है तथा ये व्यवसाय में निवेश की स्थिति से सम्बन्ध रखते हैं और समीक्षा अवधि के दौरान उपलब्धि के परिणामों को प्रकट करते हैं। ये अभिलिखित तथ्यों, लेखांकन सिद्धान्तों और वैयक्तिक निर्णयों के एक संयोजन को प्रतिबिम्बित करते हैं।" निम्नलिखित बिन्दु वित्तीय विवरणों की प्रकृति की स्पष्ट व्याख्या करते हैं।

(1) अभिलिखित तथ्य (Recorded Facts): वित्तीय विवरण खाता पुस्तकों में लागत आँकड़ों के रूप में अभिलिखित तथ्यों के आधार पर तैयार किए जाते हैं। मूल लागत या ऐतिहासिक लागत अभिलिखित लेन-देनों का आधार होती है। विभिन्न खातों की राशियाँ जैसे कि हस्तस्थ रोकड़, बैंकस्थ रोकड़, व्यापारिक प्राप्य, स्थायी परिसम्पत्तियाँ आदि को खाता पुस्तकों में अभिलिखित राशियों के अनुसार लिया जाता है। भिन्न-भिन्न समयों पर भिन्न मूल्यों पर क्रय की गई परिसम्पत्तियों को उनके लागत मूल्य को दर्शाते हुए एक साथ रखा जाता है। चूंकि अभिलिखित तथ्य बाजार मूल्य पर आधारित नहीं होते हैं। अतः वित्तीय विवरण सम्बद्ध वस्तु की वर्तमान वित्तीय स्थिति को नहीं दर्शाते हैं।

(2) लेखांकन परम्पराएँ (Accounting Conventions): वित्तीय विवरणों में लेखांकन परम्पराएँ महत्त्वपूर्ण स्थान रखती हैं। ये व्यावसायिक व्ययों का पूँजी एवं आगम व्ययों में विभाजन, ह्रास रीति का चुनाव, स्टॉक मूल्यांकन आदि लेखांकन प्रथाओं से प्रभावित होते हैं, अतः वित्तीय विवरणों में दिखाए गए तथ्य वास्तविक व निरपेक्ष नहीं होते। जैसे लेखांकन की महत्त्वपूर्णता अवधारणा के

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अनुसार कम मूल्य की वस्तुओं के क्रय (जैसे पैन, बल्ब, स्टेशनरी आदि) को उस वर्ष के आयगत व्यय में शामिल किया जाता है, जबकि महंगी व मूल्यवान वस्तुओं के क्रय को (जैसे मशीनरी, प्लाण्ट, फर्नीचर आदि को) सम्पत्तियों में शामिल किया जाता है।

(3) लेखांकन अवधारणाएँ (Accounting Postulates): लेखांकन की विभिन्न अवधारणाएँ वित्तीय विवरणों के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जैसे - लागत अवधारणा सम्पत्तियों को लागत मूल्य पर प्रदर्शित करने पर बल देती है। वसूली अवधारणा की सहायता से आय की राशि निश्चित होती है। मुद्रा मापन अवधारणा के अनुसार सभी लेनदेनों को मुद्रा में व्यक्त किया जाता है।

(4) व्यक्तिगत निर्णय (Personal Judgements): वित्तीय विवरणों पर लेखापाल के व्यक्तिगत निर्णयों का भी प्रभाव पड़ता है। लेखांकन के बहुत से ऐसे क्षेत्र होते हैं जहाँ पर लेखांकन की अनेक वैकल्पिक पद्धतियाँ अपनाई जा सकती हैं। किस पद्धति को अपनाया जाए, यह लेखापाल के व्यक्तिगत निर्णय पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, स्टॉक का मूल्यांकन प्रथम आगमन प्रथम निर्गमन विधि (FIFO Method), अन्तिम आगमन प्रथम निर्गमन विधि (LIFO Method), औसत मूल्य विधि आदि के आधार पर की जा सकती है। इन विधियों में से किस विधि को अपनाया जाए, यह लेखापाल के व्यक्तिगत निर्णय पर निर्भर करता है।

(5) स्वयं सिद्धियाँ वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय लेखापाल कुछ बातों को स्वयंसिद्ध मानकर चलता है चाहे उनकी 'सत्यता' संदेहजनक ही क्यों न हो। जैसे-व्यवसाय की चाल स्थिति की मान्यता के आधार पर स्थायी सम्पत्तियों को उनके पुस्तक मूल्य पर दर्शाया जाता है जो बाजार मूल्य से मेल नहीं खाता है। इस प्रकार से स्पष्ट होता है कि वित्तीय विवरणों की प्रकृति मूलक अनेक विशेषताएँ हैं। वे अभिलिखित तथ्यों की संक्षिप्त रिपोर्ट होते हैं तथा लेखांकन अवधारणा, परम्परा, लेखांकन नीतियाँ, मानक एवं कानून की अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए तैयार किये जाते हैं।

प्रश्न 2 वित्तीय विवरणों के महत्त्व के बारे में विस्तार से व्याख्या कीजिए।

उत्तर – वित्तीय विवरणों की उपयोगिता एवं महत्त्व (Utility and Importance of Financial Statements): वित्तीय विवरण आधुनिक युग में बहुत ही महत्त्वपूर्ण प्रपत्र माने जाते हैं। किसी

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

व्यावसायिक संस्था के क्रियाकलापों से समाज का प्रत्येक वर्ग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है। वित्तीय विवरण उस संस्था के लाभों तथा प्रगति के बारे में सभी सूचनाएँ प्रदान करते हैं, अतः ये सभी व्यक्ति वित्तीय विवरणों में भी रुचि रखते हैं।

वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं में प्रबन्धक, निवेशक, अंशधारक, लेनदार, सरकार, बैंकर, कर्मचारी और लोक जन सम्मिलित हैं। वित्तीय विवरण इन सभी पक्षों को प्रबन्ध के निष्पादन सम्बन्धी आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराते हैं और उपयुक्त आर्थिक निर्णय लेने में सहायक होते हैं। यह ध्यान देने योग्य है कि वित्तीय विवरण वार्षिक रिपोर्ट का अनिवार्य भाग है जिसमें संचालक रिपोर्ट, अंकेक्षक रिपोर्ट, निगमन अधिशासन रिपोर्ट तथा प्रबन्ध चर्चा और विश्लेषण शामिल हैं। वित्तीय विवरणों की उपयोगिता एवं महत्त्व निम्न बिन्दुओं से स्पष्ट है

(1) प्रबन्धकों की संरक्षणता पर रिपोर्ट (Reports on Stewardship Function): वित्तीय विवरण अंशधारकों के लिए प्रबन्धकों की कार्यदक्षता की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं। वित्तीय विवरणों की सहायता से प्रबन्धन की कार्यदक्षता या निष्पादन तथा स्वामित्व की अपेक्षाओं के बीच अन्तर को समझा जा सकता है।

(2) वित्त नीतियों के लिए आधार (Basis for Fiscal Policies): वित्तीय नीतियाँ, विशेष रूप से सरकार की कराधान नीतियाँ निगमित उपक्रमों के वित्तीय निष्पादन से सम्बन्धित होती हैं। वित्तीय विवरण औद्योगिक, कराधान तथा सरकार की अन्य आर्थिक नीतियों के लिए निविष्टि या निवेश प्रदान करते हैं।

(3) ऋणों की स्वीकृति के लिए आधार (Basis for Granting of Credit): निगमित संस्थानों को बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों से विभिन्न उद्देश्यों हेतु ऋण उठाने पड़ते हैं। ऋणदाता संस्थान निगमों के वित्तीय निष्पादन के आधार पर ऋण स्वीकृत करते हैं। अतः वित्तीय विवरण ऋणों के स्वीकार के लिए आधार बनाते हैं।

(4) प्रत्याशित निवेशकों के लिए आधार (Basis for Prospective Investors): निवेशकों में दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों प्रकार के निवेशक सम्मिलित होते हैं। उनके निवेश के निर्णय में प्रमुख ध्यान देने योग्य बात अपने निवेश के लिए न्यायोचित लाभ के साथ सुरक्षा एवं तरलता

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

होती है। वित्तीय विवरण निवेशकों को दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक ऋण शोधन क्षमता आकलन के साथ-साथ कारोबार की लाभदायकता को भी आँकने में सहायता देते हैं।

(5) पहले से ही किए निवेश के मूल्य हेतु दिशा - निर्देश (Guide to the Value of the Investment already Made): कम्पनी के अंशधारक अपने किए गए निवेश की स्थिति, सुरक्षा तथा वापसी के बारे में जानने को उत्सुक रहते हैं। इसके साथ ही वे इस सन्दर्भ में भी जानकारी पाना चाहते हैं कि वे व्यवसाय में निवेश को बनाये रखें या उसे समाप्त कर दें। इस तरह के महत्त्वपूर्ण निर्णयों को लेने में वित्तीय विवरण अंशधारकों को जानकारी प्रदान करते हैं।

(6) व्यापार संगठनों को अपने सदस्यों की सहायता में सहायक (Aids Trade Associations in Helping their Members): व्यापार संगठन इस उद्देश्य के लिए वित्तीय विवरणों का विश्लेषण कर सकते हैं कि वे अपने सदस्यों को सेवा और सुरक्षा प्रदान कर सकें। वे मानक अनुपात विकसित कर सकते हैं और खातों के लिए एकरूपी व्यवस्था निर्मित कर सकते हैं।

(7) शेयर बाजारों की सहायता (Helps Stock Exchanges): वित्तीय विवरण शेयर बाजार को वित्तीय निष्पादनों की रिपोर्टों में पारदर्शिता की सीमा को समझने में सहायता करते हैं तथा उन्हें इस योग्य बनाते हैं कि वे निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए अपेक्षित सूचनाओं के लिए माँग कर सकें। वित्तीय विवरण अंश अभिकर्ता (Share Broker) को इस योग्य बनाते हैं कि वह विभिन्न सम्बद्धताओं से वित्तीय स्थिति को जान सके तथा मूल्य उद्धृत करने के बारे में निर्णय ले सके।

(8) श्रमिकों व कर्मचारियों के लिए: वित्तीय विवरणों के आधार पर श्रमिक व कर्मचारी कम्पनी की प्रगति का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा अपनी माँगें प्रबन्धकों के सामने रखते हैं।

(9) अन्य वर्गों के लिए: उपर्युक्त के अलावा ग्राहक, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री व राजनीतिज्ञ भी इनका प्रयोग करते हैं।

प्रश्न 3 वित्तीय विवरणों की सीमाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर – **वित्तीय विवरणों की सीमाएँ (Limitations of Financial Statements):** वित्तीय विवरणों की अनेक सीमाएँ होती हैं। यह केवल समग्र (aggregate) जानकारियाँ प्रस्तुत करता है जिससे उपयोगकर्ताओं की सामान्य आवश्यकताओं की तुष्टि होती है लेकिन विशिष्ट आवश्यकताओं

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

की तुष्टि नहीं होती है। ये ऐसे तकनीकी विवरण हैं जो केवल लेखांकन ज्ञान रखने वाले व्यक्तियों द्वारा ही समझे जाते हैं। ये पिछली जानकारी प्रदर्शित करते हैं न कि वर्तमान स्थिति, जो कि किसी भी निर्णय लेने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक होती है। इसके अतिरिक्त, कोई व्यक्ति संगठन के निष्पादन के बारे में मात्रात्मक बदलावों के बारे में अनुमान लगा सकता है न कि गुणात्मक बदलावों के बारे में, जैसे कि श्रम सम्बन्ध, कार्य की गुणवत्ता, कर्मचारी सन्तुष्टि आदि।

इस प्रकार वित्तीय विवरणों की प्रमुख सीमाएँ निम्न प्रकार हैं:

(1) वर्तमान स्थिति को प्रतिबिम्बित नहीं करते (Do not Reflect Current Situation): वित्तीय विवरणों को पिछली लागत के आधार पर तैयार किया जाता है। चूँकि धन की क्रय शक्ति बदलती रहती है। अतः वित्तीय विवरणों में दर्शाई गई परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों (देयताओं) के मूल्य चालू या वर्तमान बाजार स्थिति को नहीं दर्शाते हैं।

(2) परिसम्पत्तियाँ वसूल नहीं की जा सकतीं (Assets may not Realise): लेखांकन को विशेष रूढ़ियों के आधार पर किया जाता है। कुछेक परिसम्पत्तियाँ सम्भतः कथित मूल्य पर वसूल नहीं की जा सकती। तुलन-पत्र में दर्शाई गई परिसम्पत्तियाँ केवल असमाप्त या अपरिशोधित लागत ही. प्रदर्शित करती हैं।

(3) पक्षपाती (Bias): वित्तीय विवरण अभिलिखित तथ्यों, संकल्पनाओं तथा प्रयुक्त परम्पराओं का परिणाम होते हैं और लेखाकार या लेखापाल के द्वारा विभिन्न स्थितियों में निजी धारणा के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं। अतः परिणामों में पक्षपात दिखता है और वित्तीय विवरणों में दर्शाई गई वित्तीय स्थिति वास्तविक नहीं होती है।

(4) कुल जमा/समग्र सूचना (Aggregate Information): का प्रदर्शन - वित्तीय विवरण समग्र सूचना दर्शाते हैं न कि विस्तृत सूचना। अतः उपयोगकर्ता को निर्णय लेने में अधिक सहायक नहीं होते।

(5) अनिवार्य सूचना का अभाव (Vital Information Missing): तुलन-पत्र बाजार से सम्बन्धित हानि, समझौते के उल्लंघन के बारे में सूचना या जानकारी नहीं दर्शाते हैं जो कि उद्यम हेतु काफी महत्त्वपूर्ण है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(6) गुणवत्तापूर्ण या गुणात्मक सूचना की कमी (No Qualitative Information): वित्तीय विवरण में केवल आर्थिक जानकारी समाहित होती है तथा इनमें औद्योगिक सम्बन्धों, औद्योगिक वातावरण, श्रम सम्बन्धों, कार्य एवं श्रम की गुणवत्ता आदि जैसी गुणात्मक जानकारियाँ नहीं होती हैं।

(7) ये केवल अन्तरिम रिपोर्ट होती हैं (They are only Interim Reports): लाभ व हानि विवरण केवल विशिष्ट अवधि के लाभों/हानियों को दर्शाता है। यह आने वाले समय में अर्जन क्षमता के बारे में कुछ नहीं बताता। उसी प्रकार तुलन-पत्र में दर्शाई गई वित्तीय स्थिति एक समय बिन्दु पर सत्य हो सकती है परन्तु भविष्य की तिथि पर होने वाला परिवर्तन नहीं दर्शाया जाता।

प्रश्न 4 लाभ-हानि विवरण का प्रारूप बनाइए तथा इसकी मदों की व्याख्या कराधान से पूर्व लाभ की राशि की गणना तक कीजिए।

उत्तर – लाभ - हानि विवरण का प्रारूप (Format of Statement of Profit and Loss):

Statement of Profit and Loss for the year ended.....

	Particulars	Note No.	Figure as at the end of Current reporting period ₹	Figure as at the end of Previous reporting period ₹
I	Revenue from operations			
II	Other Income			
III	Total Revenue (I + II)			
IV	Expenses :			
	Cost of materials consumed			
	Purchases of stock-in-trade			
	Changes in inventories of finished goods, Work-in-progress and stock-in-trade			
	Employee benefits expense			
	Finance costs			
	Depreciation and amortization expense			
	Other expenses			
	Total Expenses			
V	Profit before exceptional and extraordinary items and tax (III – IV)			
VI	Exceptional items			
VII	Profit before extraordinary items and tax (V-VI)			

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

VIII	Extraordinary items			
IX	Profit before tax (VII – VIII)			
X	Tax expenses :			
	(1) Current tax			
	(2) Deferred tax			
XI	Profit/(Loss) for the period from continuing operations (IX – X)			
XII	Profit/(Loss) from discontinuing operations			
XIII	Tax expense of discontinuing operations			
XIV	Profit/(Loss) from Discontinuing operations (after tax) (XII – XIII)			
XV	Profit/(Loss) for the period (XI – XIV)			
XVI	Earnings per equity share :			
	(1) Basic			
	(2) Diluted			

लाभ व हानि विवरण की मुख्य मदें (Main Items of Statement of Profit and Loss): लाभ व हानि विवरण की मदें निम्न वर्णित हैं।

1. प्रचालनों से आगम (Revenue from Operations): इसमें निम्न सम्मिलित हैं।

- उत्पादों के विक्रय से आगम
- सेवाओं के विक्रय से आगम
- अन्य प्रचालन आगम।

वित्तीय कम्पनी के सम्बन्ध में, प्रचालन से आय में ब्याज, लाभांश तथा अन्य वित्तीय सेवाओं से आय को सम्मिलित किया जाता है। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त प्रत्येक के अन्तर्गत, शीर्षों को, लागू प्रसार तक, खातों की टिप्पणियों में अलग - अलग दर्शाया जाएगा।

(2) अन्य आय (Other Income): इसमें निम्न शामिल हैं:

- ब्याज आय (गैर-वित्तीय कम्पनी की स्थिति में)
- लाभांश आय
- निवेशों के विक्रय पर निवल लाभ/(हानि)
- अन्य गैर-प्रचालन आय (ऐसी आय से प्रत्यक्षतः सम्बन्धित व्ययों के बाद निवल)

(3) व्यय (Expenses): आय कमाने के लिए विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत दर्शाए गए व्यय निम्न वर्णित हैं

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- **सामग्री की लागत (Cost of Materials):** यह उत्पादन कम्पनियों पर लागू होता है। इसमें वस्तुओं के उत्पादन में प्रयुक्त कच्चा माल तथा अन्य सामग्री को सम्मिलित किया जाता है।
- **व्यापारिक रहतिए का क्रय (Purchase of Stock-in-trade):** इसका अभिप्राय व्यापार के उद्देश्य से क्रय की गई वस्तुओं से है।
- **निर्मित माल, संकर्म चालू तथा व्यापारिक रहतिए में परिवर्तन (Changes in Inventories of Finished Goods, WIP and Stock - in - trade):** यह निर्मित माल, संकर्म चालू तथा व्यापारिक रहतिए के प्रारम्भिक व अन्तिम रहतिए में अन्तर की राशि है।
- **कर्मचारी हित व्यय (Employees Benefit Expenses):** इस शीर्ष में कर्मचारियों से सम्बन्धित व्यय, जैसे वेतन, मजदूरी, छुट्टियों का नकदीकरण, स्टाफ हित आदि दर्शाए जाते हैं। कर्मचारी हित व्ययों को आगे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष व्ययों में वर्गीकृत किया जा सकता है।
- **वित्तीय लागत (Finance Cost):** यह ऋणों पर वर्ष के दौरान ब्याज खर्चों के व्यय हैं। इस शीर्ष में केवल ब्याज को ही दर्शाया जाता है। अन्य वित्तीय व्यय, जैसे कि बैंक खर्च, 'अन्य व्ययों' में दर्शाए जाते हैं।
- **ह्रास (Depreciation):** ह्रास स्थायी परिसम्पत्तियों में घटाव है जबकि अपलेखन अमूर्त सम्पत्तियों की राशि में कमी है।
- **अन्य व्यय (Other Expenses):** अन्य सभी व्यय जो उपरोक्त वर्गों में नहीं आते, उन्हें अन्य व्ययों के अन्तर्गत दर्शाया जाएगा। अन्य व्ययों को आगे प्रत्यक्ष व्यय, अप्रत्यक्ष व्यय तथा गैर-प्रचालन व्ययों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

प्रश्न 5 तुलन-पत्र का प्रारूप बनाइए तथा तुलन-पत्र के विभिन्न अवयवों. की व्याख्या कीजिए।

उत्तर – Format of Balance Sheet Balance Sheet as at 31st March, 20.....

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Particulars	Note No.	Figure as at the end of Current reporting period ₹	Figure as at the end of Previous reporting period ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :			
(1) Shareholders' Funds :			
(a) Share Capital			
(b) Reserves and Surplus			
(c) Money received against share warrants			
(2) Share Application money pending allotment			
(3) Non-current Liabilities :			
(a) Long-term borrowings			
(b) Deferred tax liabilities (net)			
(c) Other long-term liabilities			
(d) Long-term provisions			
(4) Current Liabilities :			
(a) Short-term borrowings			
(b) Trade payables			
(c) Other current liabilities			
(d) Short-term provisions			
Total			
II. ASSETS :			
(1) Non-current assets :			
(a) Fixed assets			
(i) Tangible assets			
(ii) Intangible assets			
(iii) Capital work-in-progress			
(iv) Intangible assets under development			
(b) Non-current investments			
(c) Deferred tax assets (net)			
(d) Long-term loans and advances			
(e) Other non-current assets			
(2) Current Assets :			
(a) Current investments			
(b) Inventories			
(c) Trade receivables			
(d) Cash and cash equivalents			
(e) Short-term loans and advances			
(f) Other current assets			
Total			

See accompanying notes to the financial statements
NOTES :

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

चिट्टे अथवा तलन पत्र के विभिन्न अवयव: चिट्रे/तुलन. पत्र को दो भागों में बाँटा गया है - भाग - I समता एवं देयताएँ (Equity and Liabilities) तथा भाग - II सम्पत्तियाँ (Assets)। प्रथम भाग में चार मुख्य शीर्षक दिये गये हैं और द्वितीय भाग में दो मुख्य शीर्षक दिये गये हैं। इन्हें तैयार करने से सम्बन्धित साधारण अनुदेश (General Instructions) संक्षिप्त में निम्न प्रकार हैं।

भाग - I. Equity and Liabilities (समता एवं देयताएँ):

इसके प्रमुख शीर्षक तथा उपशीर्षक निम्न प्रकार हैं:

1. अंशधारियों के कोष (Shareholders' Funds):

(a) अंश पूँजी (Share Capital): अंशधारक निधि की सूचना वित्तीय विवरणों में विस्तृत एवं महत्त्वपूर्ण मदों तक सीमित हैं, इनका ब्यौरा खातों की टिप्पणियों में दिया जाता है।

अंश पूँजी के प्रत्येक वर्ग के लिए:

(क) प्राधिकृत अंशों की संख्या और राशि;

(ख) निर्गम किए गए, अभिदत्त पूर्ण प्रदत्त और अभिदत्त किन्तु पूर्ण प्रदत्त अंश नहीं हैं, के अंशों की संख्या और राशि;

(ग) सम मूल्य प्रति अंश;

(घ) लेखांकन अवधि के प्रारम्भ और अन्त पर बकाया अंशों की संख्या का मिलान;

(ङ) अंशों के प्रत्येक वर्ग से जुड़े अधिकार, अधिमानताएँ और प्रतिबन्ध जिनके अन्तर्गत लाभांश के वितरण और पूँजी के प्रतिदाय पर प्रतिबन्ध भी सम्मिलित हैं;

(च) धारक कम्पनी या अन्ततोगत्वा धारक कम्पनी द्वारा कम्पनी में प्रत्येक वर्ग के सम्बन्ध में धारित अंश, जिनके अन्तर्गत धारक कम्पनी या अन्ततोगत्वा धारक कम्पनी की अनुषंगी या सहबद्ध कम्पनियों द्वारा सकल रूप से धारित अंश भी हैं;

(छ) अंशों के विक्रय/विनिवेश के लिए विकल्पों और संविदाओं/प्रतिबद्धताओं के अधीन निर्गम के लिए आरक्षित अंश;

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ज) उस तारीख से, जिसको तुलन-पत्र तैयार किया जाता है, तुरन्त पूर्ववर्ती 5 वर्ष की अवधि के लिए:

- संविदाओं/प्रतिबद्धताओं के अधीन आरक्षित अंश;
- वापस क्रय किए गए अंशों की कुल संख्या और वर्ग;
- रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के बदले निर्गमित अंश तथा बोनस अंशों की संख्या तथा वर्ग।

(झ) संपरिवर्तन की पूर्वतम तारीख के साथ निर्गमित समता/पूर्वाधिकारी अंशों में संपरिवर्तनीय प्रतिभूतियों के प्रतिबन्ध, सबसे बाद की तारीख से आरम्भ करते हुए अवरोही अनुक्रम में;

(ञ) असंदत्त माँगें (समग्र);

(ट) जब्त अंश (मूल रूप में समादत्त रकम)।

(b) संचय एवं आधिक्य (Reserve and Surplus): इस शीर्षक की मदों को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाएगा

- पूँजी संचय (Capital Reserves)
- पूँजी शोधन संचय (Capital Redemption Reserves)
- प्रतिभूति प्रीमियम संचय (Securities Premium Reserves)
- ऋण पत्र शोधन संचय (Debentures Redemption Reserves)
- पुनः मूल्यांकन संचय (Revaluation Reserves)
- शेयर विकल्प बकाया लेखा (Share Option Outstanding Account)
- अन्य संचय (Other Reserves): इन्हें प्रवृत्ति के अनुसार अलग-अलग प्रदर्शित किया जाएगा।
- अधिशेष (Surplus) लाभ - हानि के विवरण में अतिशेष। लाभांश, बोनस अंश और आरक्षितियों को/से अन्तरण आदि जैसे आबंटनों और विनियोजनों को प्रकट करता है।

आरक्षितियों और अधिशेषों के प्रकटीकरण के सम्बन्ध में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन या संशोधन इस प्रकार हैं:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(अ) उद्दिष्ट निवेशों द्वारा विनिर्दिष्ट रूप से दर्शित किसी आरक्षिती को एक 'निधि' कहा जाएगा।

(ब) लाभ और हानि विवरण के डेबिट अतिशेष को 'अधिशेष' शीर्ष के अधीन ऋणात्मक आँकड़े के रूप में दर्शित किया जाएगा।

(स) इसी प्रकार, 'आरक्षितियों और अधिशेष' के अतिशेष को अधिशेष के ऋणात्मक अतिशेष, यदि कोई है, का समायोजन करने के पश्चात् दर्शित किया जाएगा, तब भी जब परिणामिक आँकड़े ऋणात्मक होंगे।

(द) शीर्ष 'आरक्षित और अधिशेष' के अन्तर्गत बकाया अंश विकल्प खाते को एक अलग मद के रूप में मान्यता दी गई है। कर्मचारी अंश - आधारित भुगतानों के लेखांकन के लिए ICAI के मार्गदर्शक नोट के अनुसार बकाया अंश विकल्प खाते के जमा शेष को तुलन-पत्र में 'अंशधारक निधि' के अन्तर्गत एक अलग शीर्ष के रूप में दर्शाया जाएगा।

(c) अंश वारंटों के प्रति प्राप्त धन (Money Received against Share Warrants): यदि कम्पनी ने अंश वारंट निर्गमित किये हों तो उनसे प्राप्त राशि इस शीर्षक के अन्तर्गत अलग से प्रदर्शित की जावेगी। इन्हें बाद के वर्षों में कम्पनी द्वारा पूर्व निर्धारित दर पर अंशों में बदल दिया जाता है।

2. आवंटन लम्बित रहने के दौरान अंश आवेदन राशि (Share Application Money pending allotment): अंश आवेदन पर प्राप्त राशि जिसके सम्बन्ध में अभी तक अंशों का आवंटन नहीं किया गया है।

3. गैर चालू दायित्व (Non-Current Liabilities): इस शीर्षक के अन्तर्गत वे दायित्व आते हैं जो चालू दायित्व के रूप में वर्गीकृत नहीं किये गये हैं:

(a) दीर्घकालीन ऋण (Long - term borrowings): इसके अन्तर्गत ऋणपत्र, बॉण्ड, बैंक या अन्य संस्थाओं से लिये गये अवधि ऋण जमायें तथा अन्य दीर्घकालीन ऋण को शामिल किया जावेगा। सुरक्षित व असुरक्षित को भी अलगअलग दिखाया जावेगा।

(b) अस्थगित कर दायित्व (शुद्ध) [Deferred tax liabilities (Net)]: लेखांकन आय एवं करयोग्य आय के अन्तर पर लगने वाले कर के कारण अस्थगित कर दायित्व की गणना की जाती

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

है। यदि करयोग्य आय लेखांकन आय से कम हो तो अन्तर की राशि पर कर 'अस्थगित कर दायित्व' कहलायेगा। इसके विपरीत करयोग्य आय लेखांकन आय से अधिक होने पर अन्तर की राशि पर कर 'अस्थगित कर सम्पत्ति' होगा, जिसे भाग - II सम्पत्ति शीर्षक में दिखाया जाएगा।

(c) अन्य दीर्घकालीन दायित्व (Other Long-term Liabilities): इसमें व्यापार देयता (Trade Payables) और अन्य देयता (Other Payables) को अलग-अलग प्रदर्शित किया जावेगा। जिनका भुगतान 12 माह से अधिक की अवधि में करना है।

(d) दीर्घकालीन आयोजन (Long-term Provisions): इसे निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया गया है:

- कर्मचारी लाभार्थ आयोजन (Provision for Employees benefits)
- अन्य (Others)।

4. चालू दायित्व (Current Liabilities): किसी भी दायित्व को चालू रूप में तभी वर्गीकृत किया जाएगा जबकि वह मुख्यतः व्यवसाय के सामान्य परिचालन चक्र से सम्बन्धित हो, जिसे मुख्यतः व्यापार प्रयोजन के लिये धारित किया गया हो तथा जिसका भुगतान 12 माह की अवधि के अन्दर-अन्दर किया जाना है। इसके अन्तर्गत निम्न को शामिल किया जाता है:

(a) अल्पकालीन उधार (Short-term borrowings): इसमें बैंक व अन्य पक्षकारों से लिये गये ऋण सम्बन्ध, पक्षकारों से ऋण व अग्रिम, अल्पकालीन जमा व अन्य ऋण व अग्रिम को अलग - अलग दिखाया जाएगा।

(b) व्यापारिक देयता (Trade Payables): व्यापार संचालन हेतु माल का क्रय एवं सेवा प्राप्ति से सम्बन्धित बकाया भुगतान जो सम्बन्धित 12 महीने में किया जाना है। जैसे - Creditors, Bills Payable, Outstanding Expenses.

(c) अन्य चालू दायित्व (Other Current Liabilities): इस शीर्षक के अन्तर्गत सामान्यतः निम्न को शामिल किया जावेगा

- दीर्घकालीन दायित्वों का आगामी 12 महीने में किया जाने वाला भुगतान
- उधारों पर उपार्जित ब्याज

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- अग्रिम प्राप्त आय (Income Received in Advance. Unearned Income)
- अप्रदत्त लाभांश (Unpaid Dividend)
- आवेदन पर प्राप्त वापसी योग्य राशि एवं उस पर देय ब्याज
- अप्रदत्त परिपक्व जमा एवं उन पर देय ब्याज (Unpaid Mature Deposits and Interest Accured)
- अप्रदत्त परिपक्व ऋणपत्र एवं उन पर देय ब्याज
- अन्य देय।

(d) अल्पकालीन आयोजन (Short-term Provisions): अल्पकालीन आयोजनों को निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जावेगा

- कर्मचारियों के लाभार्थ हेतु आयोजन
- अन्य।

भाग - II. Assets (सम्पत्तियाँ):

इसके प्रमुख शीर्षक तथा उपशीर्षक निम्न प्रकार हैं:

1. गैर चालू सम्पत्तियाँ (Non - current Assets): इस शीर्षक के अन्तर्गत उन सम्पत्तियों को शामिल किया जाता है जो चालू सम्पत्ति के रूप में वर्गीकृत नहीं की गयी हैं। जैसे:

(a) स्थायी सम्पत्तियाँ (Fixed Assets): स्थायी परिसम्पत्तियों के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं है। मूर्त एवं अमूर्त परिसम्पत्तियाँ गैर-चालू हैं। यह उल्लेखनीय है कि यदि परिसम्पत्ति का उपयोगी जीवन 12 महीने से कम है तब भी यह गैर - चालू शीर्ष के अन्तर्गत ही आएगी।

- मूर्त सम्पत्तियाँ (Tangible Assets): भूमि, भवन, मशीनरी, फर्नीचर, वाहन, कार्यालय उपकरण व अन्य सभी मूर्त सम्पत्तियाँ आदि।
- अमूर्त सम्पत्तियाँ (Intangible Assets): ख्याति, व्यापार चिह्न, ब्राण्ड, खनन अधिकार, पेटेन्ट, प्रतिलिप्याधिकार व अन्य विशेष अधिकार आदि।
- Capital Working in Progress: ऐसी पूँजीगत सम्पत्तियाँ जिनका निर्माण कार्य अभी अधूरा है, इसमें शामिल की जाती हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- विकासाधीन अमूर्त सम्पत्तियाँ।

(b) गैर चालू विनियोग (Non - current Investments): इनमें ऐसे विनियोगों को शामिल किया जावेगा जो पुनः विक्रय के लिये नहीं रखे गये हैं। इन्हें प्रतिभूतियों के नाम एवं प्रकृति के अनुसार अलग - अलग दर्शाया जावेगा।

(c) अस्थगित कर सम्पत्तियाँ (शुद्ध) [Deferred Tax Assets (Net)]: पूर्व में भाग - । में बताये अनुसार अन्तर की राशि पर कर दायित्व।

(d) दीर्घकालीन ऋण और अग्रिम (Longs - term Loans and Advances): इसके अन्तर्गत उन सभी ऋणों और अग्रिमों को दिखाया जावेगा जिनकी प्राप्ति 12 महीने के पश्चात् नकद या सम्पत्ति में होगी। सुरक्षित व असुरक्षित को अलग - अलग दर्शाया जावेगा।

(e) अन्य गैर चालू दायित्व (Other Non - current Assets)।

2. चालू सम्पत्तियाँ (Current Assets):

इस शीर्षक हेतु किसी सम्पत्ति को चालू सम्पत्ति के रूप में तभी वर्गीकृत किया जावेगा जबकि वह सम्पत्ति व्यापार के सामान्य प्रचालन चक्र में वसूली योग्य है। (विक्रय या उपभोग), मुख्यतः व्यापार प्रयोजन के लिये धारित की गयी है तथा रिपोर्टिंग तिथि के पश्चात् 12 माह के भीतर वसूली योग्य है। इनको निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है।

- चालू विनियोग (Current Investments): इसमें उन सभी विनियोगों को शामिल किया जावेगा जिन्हें 12 माह की अवधि में पुनः नकद में परिवर्तित किया जाना है। सभी विनियोगों को नाम एवं उनकी प्रकृति के अनुसार अलगअलग दिखाया जावेगा।
- स्कन्ध (Inventories): इसके अन्तर्गत Raw Material, Work in Progress, Finished Goods, Stock in trade, Loose Tools, Store & Spare Parts and others को शामिल करेंगे।
- व्यापार प्राप्य (Trade Receivables): इसमें देनदार एवं प्राप्य बिलों को सम्मिलित किया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- नकद और नकद समतुल्य (Cash and Cash Equivalents): इसमें बैंक शेष (Bank Balance), नकद शेष (Cash Balance), हस्तस्थ चैक एवं ड्राफ्ट (Cheque & Draft on hand) और अन्य शामिल होते हैं।
- अल्पकालीन ऋण और अग्रिम (Short - term Loans & Advances): सम्बन्धित पक्षकारों को ऋण और अग्रिम तथा अन्य ऋण और अग्रिम को अलग-अलग प्रदर्शित करेंगे। इन्हें सुरक्षित एवं असुरक्षित में विभाजित किया जावेगा।
- अन्य चालू सम्पत्तियाँ (Other Current Assets): यह एक सर्वसमावेश शीर्षक है जिसमें ऐसी चालू सम्पत्तियों को सम्मिलित किया जाता है, जो अन्य किसी शीर्षक के लिये उचित नहीं हैं। जैसे पूर्वदत्त खर्चे (Prepaid Expenses), अग्रिम कर (Advance Tax) आदि।

आकस्मिक दायित्व और प्रतिबद्धतायें (Contingent Liabilities and Commitments): इन्हें वित्तीय विवरण के नीचे अलग से प्रदर्शित किया जावेगा।

प्रश्न 6 व्याख्या कीजिए कि एक उपक्रम के मामलों में हित रखने वाले विभिन्न पक्षों के लिए वित्तीय विवरण किस प्रकार उपयोगी होते हैं।

उत्तर – वित्तीय विवरणों की उपयोगिता एवं महत्त्व (Utility and Importance of Financial Statements): वित्तीय विवरण आधुनिक युग में बहुत ही महत्त्वपूर्ण प्रपत्र माने जाते हैं। किसी व्यावसायिक संस्था के क्रियाकलापों से समाज का प्रत्येक वर्ग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित होता है। वित्तीय विवरण उस संस्था के लाभों तथा प्रगति के बारे में सभी सूचनाएँ प्रदान करते हैं, अतः ये सभी व्यक्ति वित्तीय विवरणों में भी रुचि रखते हैं। विभिन्न व्यक्तियों के संदर्भ में वित्तीय विवरणों का महत्त्व एवं उपयोगिता इस प्रकार है।

1. विनियोक्ताओं के लिए-एक बार व्यावसायिक संस्था से सम्बन्ध स्थापित हो जाने के बाद विनियोक्ताओं का हित दीर्घकालीन हो जाता है और वे शोधन क्षमता के साथ - साथ संस्था की लाभार्जन शक्ति और भावी विकास में भी रुचि लेते हैं। ये विनियोक्ता (अ) अंशधारी,

(ब) ऋणपत्रधारी हो सकते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(अ) अंशधारियों के लिए: अंशधारी ही कम्पनी के स्वामी होते हैं। कम्पनी के वित्तीय विवरणों से ही वे उसकी लाभार्जन क्षमता, वित्तीय कुशलता एवं प्रशासन कुशलता के बारे में सूचना प्राप्त करते हैं। कम्पनी के शुद्ध मूल्य की सहायता से वे प्रति अंश मूल्य ज्ञात करते हैं तथा उसी के आधार पर पूँजीगत लाभ प्राप्त करने की सम्भावना की जाँच करते हैं। पूर्वाधिकार अंशधारी वित्तीय विवरणों के आधार पर 'डिविडेन्ड कवर' ज्ञात करते हैं और भविष्य में लाभांश नियमित रूप से प्राप्त होने की संभावना की जाँच करते हैं।

(ब) ऋणपत्रधारियों के लिए: ऋणपत्रधारी संस्था की दीर्घकालीन शोधन क्षमता के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं, जो कि वित्तीय विवरणों से आसानी से जानी जा सकती है।

(2) बैंकों के लिए: बैंक एवं वित्तीय संस्थाएँ अपने ग्राहकों को ऋण पत्र एवं साख सुविधाएँ प्रदान करते हैं तथा बैंक उनके सम्बन्ध में आवश्यक सूचनाएँ यथा - संस्था की लाभार्जन क्षमता, वित्तीय स्थिति एवं भावी योजनाओं के सम्बन्ध में विश्लेषण आदि वित्तीय विवरणों से ही प्राप्त करते हैं तथा ऋण की प्राप्ति निश्चित समय पर सुनिश्चित करते हैं।

(3) प्रबन्ध के लिए: कम्पनी के प्रबन्धकों का कर्तव्य कम्पनी को सुचारु रूप से चलाना एवं भविष्य के लिए योजनाएँ बनाना है। वित्तीय विवरणों के आधार पर ही वे विश्वसनीय व सही सूचनाओं की प्राप्ति कर निर्णय ले सकते हैं।

(4) व्यापार परिषदों के लिए: व्यापार परिषदें सदस्य फर्मों या कम्पनियों के वित्तीय विवरण प्राप्त करके उनके विश्लेषण से उद्योग की प्राप्ति की प्रवृत्ति का अध्ययन करती हैं।

(5) व्यापारिक लेनदारों के लिए: व्यापारिक ऋण से तात्पर्य एक व्यापारी द्वारा दूसरे व्यापारी को उधार माल के क्रय में स्थगित भुगतान की सुविधा प्रदान करना होता है। ये अल्प अवधि के ऋणदाता होते हैं। ये वित्तीय विवरणों की चालू सम्पत्तियों एवं चालू दायित्वों की तुलना करके ज्ञात करते हैं कि उनकी राशियों का भुगतान करने की क्षमता कम्पनी में है या नहीं।

(6) आयकर अधिकारी के लिए: आयकर अधिकारी कर योग्य आय की गणना वित्तीय खातों के आधार पर ही करते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(7) सरकार के लिए: आजकल सरकार आर्थिक विकास में सक्रिय भाग ले रही है, जिसके लिए कम्पनियों के सम्बन्ध में अनेक सूचनाएँ वित्तीय विवरणों से ही प्राप्त करती है। कुप्रबन्ध की स्थिति में सरकार कम्पनी को अपने नियंत्रण में ले सकती है।

(8) श्रमिकों व कर्मचारियों के लिए: वित्तीय विवरणों के आधार पर श्रमिक व कर्मचारी कम्पनी की प्रगति का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा अपनी माँगें प्रबन्धकों के सामने रखते हैं।

(9) स्टॉक एक्सचेंजों के लिए: स्कन्ध विपणि केन्द्रों पर सूचीकरण के नियमों के अन्तर्गत कम्पनियों को अपने वित्तीय विवरण स्टॉक एक्सचेंज को भेजने पड़ते हैं। स्टॉक एक्सचेंज उनका विश्लेषण करके आवश्यक सूचनाएँ अपने प्रकाशनों में प्रकाशित करते हैं जिसका लाभ विनियोजकों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

(10) अन्य वर्गों के लिए: उपर्युक्त के अलावा ग्राहक, समाज सुधारक, अर्थशास्त्री व राजनीतिज्ञ भी इनका प्रयोग करते हैं।

इस प्रकार उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि सभी व्यक्तियों के लिए वित्तीय विवरण काफी महत्त्वपूर्ण होते हैं; क्योंकि इनके आधार पर ही वे व्यक्ति अपनी रुचि व धारणा के विषय में ठोस अनुमान लगा सकते हैं।

प्रश्न 7 वित्तीय विवरण अभिलेखित तथ्यों, लेखांकन परिपाटियों तथा व्यक्तिगत निर्णयों के संयोजन को प्रतिबिम्बित करते हैं। चर्चा कीजिए।

उत्तर – अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ सर्टिफाइड पब्लिक एकाउंटेन्ट्स के अनुसार वित्तीय विवरण अभिलेखित तथ्यों, लेखांकन परिपाटियों तथा व्यक्तिगत निर्णयों के संयोजन को प्रतिबिम्बित करते हैं। इससे वित्तीय विवरणों की प्रकृति का पता चलता है। [नोट - वित्तीय विवरणों की प्रकृति के विस्तृत विवेचन के लिए दीर्घ उत्तरीय प्रश्न संख्या 1 का उत्तर देखें।]

प्रश्न 8 आय विवरण तथा तुलन-पत्र बनाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

उत्तर – लाभ व हानि विवरण बनाने की प्रक्रिया: आय विवरण को अब लाभ व हानि विवरण (Statement of Profit and Loss) कहा जाता है। इसे कम्पनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III में निर्दिष्ट रीति के अनुसार तैयार किया जाता है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लाभ व हानि का विवरण बनाने की प्रक्रिया निम्न प्रकार है:

- सर्वप्रथम खाताबही के विभिन्न खातों के शेषों के आधार पर तलपट (Trial Balance) तैयार किया जाता है।
- प्रचालन से आय की गणना करते हैं।
- प्रचालन से आय में अन्य आय को जोड़कर कुल आय ज्ञात करते हैं।
- इस कुल आय में से कम्पनी के द्वारा किये गये सभी व्ययों को घटाकर कर से पूर्व लाभ ज्ञात किया जाता है।
- अन्य मदों का लेखा लाभ व हानि चाहिए।
- विवरण के प्रारूप के अनुसार करते हैं।

[नोट - 'लाभ व हानि विवरण' का प्रारूप दीर्घ उत्तरीय प्रश्न संख्या 4 के उत्तर में देखें।]

संख्यात्मक प्रश्न (Numerical Questions):

प्रश्न 1 निम्नलिखित मदों को तुलन-पत्र में दर्शाइए:

विवरण (Particulars)	₹
1. प्रारम्भिक व्यय (Preliminary Expenses)	2,40,000
2. अंश निर्गमन पर बट्टा (Discount on issue of Shares)	20,000
3. 10% ऋणपत्र (10% Debentures)	2,00,000
4. व्यापारिक रहतिया (Stock in Trade)	1,40,000
5. बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	1,35,000
6. प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)	1,20,000
7. ख्याति (Goodwill)	30,000
8. खुले औजार (Loose Tools)	12,000
9. मोटर वाहन (Motor Vehicles)	4,75,000

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Balance Sheet

as at .....

Particulars	Note No.	Amount ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
(1) Shareholders' Funds :		
Reserve and Surplus	1	(2,60,000)
(2) Non-Current Liabilities :		
Long-term Borrowings	2	2,00,000
(3) Current Liabilities :		
Short-term Provision	3	16,000
II. ASSETS :		
(1) Non-Current Assets :		
(a) Fixed Assets :		
(i) Tangible Assets	4	4,75,000
(ii) Intangible Assets	5	30,000
(2) Current Assets :		
(a) Inventories	6	1,52,000
(b) Trade Receivables	7	1,20,000
(c) Cash and Cash Equivalents	8	1,35,000

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹
(1) Reserve and Surplus :	
Debit Balance of Statement of Profit and Loss :	
Preliminary Expenses written off	(2,40,000)
Discount on Issue of Debentures written off	(20,000)
	(2,60,000)
(2) Long-term Borrowings :	
10% Debentures	2,00,000
(3) Short-term Provision :	
Provision for Tax	16,000
(4) Tangible Assets :	
Motor Vehicles	4,75,000
(5) Intangible Assets :	
Goodwill	30,000
(6) Inventories :	
Stock in Trade	1,40,000
Loose Tools	12,000
	1,52,000
(7) Trade Receivables :	
Bills Receivables	1,20,000
(8) Cash and Cash Equivalents :	
Cash at Bank	1,35,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 2 1 अप्रैल, 2017 को जम्बो लिमिटेड ने 20% बट्टे पर ₹ 100 प्रत्येक वाले 10,000,12% ऋणपत्र जारी किए जो 5 वर्षों बाद शोधनीय हैं। कम्पनी ने यह निर्णय लिया कि इन ऋणपत्रों पर दिए गए बट्टे को 31 मार्च, 2018 को अपलेखित किया जाए। 31 मार्च, 2018 को कम्पनी के तुलन-पत्र में मदों को दर्शाइए।

उत्तर –

Books of Jumbo Limited
Balance Sheet
as at 31st March, 2018

Particulars	Note No.	31.3.2018 ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
(1) Shareholders' Funds :		
Reserve and Surplus	1	(2,00,000)
(2) Non-Current Liabilities :		
Long-term Borrowings	2	10,00,000

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹
(1) Reserve and Surplus :	
Debit Balance of Statement of Profit and Loss :	
Discount on Issue of Debentures written off	(2,00,000)
(2) Long-term Borrowings :	
10,000, 12% Debentures of ₹ 100 each	10,00,000

प्रश्न 3 निम्नलिखित सूचना से गीतांजलि का तुलन-पत्र बनाइए:

रहतिया ₹ 14,00,000; समता अंश पूँजी ₹ 20,00,000; संयंत्र एवं मशीनरी ₹ 10,00,000; अधिमानी अंश पूँजी ₹ 12,00,000; ऋणपत्र शोधन कोष ₹ 6,00,000; अदत्त व्यय ₹ 3,00,00; प्रस्तावित लाभांश ₹ 5,00,000; भूमि व भवन ₹ 20,00,000; चालू निवेश ₹ 8,00,000; रोकड़ तुल्यांक ₹ 10,00,000; जावेरी लि. (ट्वलाईट लि. की एक सहायक कम्पनी) से अल्पाव्रधि ऋण ₹ 4,00,000; सार्वजनिक जमा ₹ 12,00,000।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Geetanjali Limited
Balance Sheet
as at ..... **(relevant data only)**

Particulars	Note No.	Amount ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
(1) Shareholders' Funds :		
(a) Share Capital	1	32,00,000
(b) Reserves and Surplus	2	6,00,000
(2) Non-Current Liabilities :		
(a) Long-term Borrowings	3	12,00,000
(3) Current Liabilities :		
(a) Short-term Borrowings	4	4,00,000
(b) Other Current Liabilities	5	3,00,000
II. ASSETS :		
(1) Non-Current Assets :		
(a) Fixed Assets :		
(i) Tangible Assets	6	30,00,000
(2) Current Assets :		
(a) Current Investment		8,00,000
(b) Inventories		14,00,000
(c) Cash and Cash Equivalents	7	10,00,000

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹	Amount ₹
(1) Share Capital :		
Equity Share Capital	20,00,000	
Preference Share Capital	12,00,000	32,00,000
(2) Reserves and Surplus :		
Debenture Redemption Reserve		6,00,000
(3) Long-term Borrowings :		
Public Deposits		12,00,000
(4) Short-term Borrowings :		
Short-term loan from Zaveri Limited		4,00,000
(5) Other Current Liabilities :		
Outstanding Expenses		3,00,000
Contingent Liabilities :		
Proposed Dividend ₹ 5,00,000		
(6) Tangible Assets :		
Plant and Machinery	10,00,000	
Land and Building	20,00,000	30,00,000
(7) Cash and Cash Equivalents :		
Cash Equivalents		10,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 4 निम्नलिखित सूचना से जाम लि. का तुलन-पत्र बनाइए:

रहतिया ₹ 7,00,000; समता अंश पूँजी ₹ 16,00,000; संयंत्र एवं मशीनरी ₹ 8,00,000; अधिमानी अंश पूँजी ₹6,00,000; सामान्य संचय ₹ 6,00,000; देय विपत्र ₹1,50,000; कराधान हेतु प्रावधान ₹ 2,50,000; मिव भवन ₹ 16,00,000; गैर-चालू निवेश ₹ 10,00,000; बैंक में रोकड़ ₹ 5,00,000; लेनदार ₹ 2,00,000; 12% पत ₹12,00,000।

उत्तर –

Books of Jam Limited
Balance Sheet
as at ..... **(relevant data only)**

Particulars	Note No.	Amount ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
(1) Shareholders' Funds :		
(a) Share Capital	1	22,00,000
(b) Reservse and Surplus	2	6,00,000
(2) Non-Current Liabilities :		
(a) Long-term Borrowings	3	12,00,000
(3) Current Liabilities :		
(a) Trade Payables	4	3,50,000
(b) Short-term Provisions	5	2,50,000
Total		46.00.000
II. ASSETS :		
(1) Non-Current Assets :		
(a) Fixed Assets :		
(i) Tangible Assets	6	24,00,000
(ii) Non-Current Investments		10,00,000
(2) Current Assets :		
(a) Inventories		7,00,000
(b) Cash and Cash Equivalents	7	5,00,000
Total		46,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹	Amount ₹
(1) Share Capital :		
Equity Share Capital	16,00,000	
Preference Share Capital	6,00,000	22,00,000
(2) Reserves and Surplus :		
General Reserve		6,00,000
(3) Long-term Borrowings :		
12% Debentures		12,00,000
(4) Trade Payables :		
Bills Payable	1,50,000	
Creditors	2,00,000	3,50,000
(5) Short-term Provisions :		
Provision for Taxation		2,50,000
(6) Tangible Assets :		
Plant and Machinery	8,00,000	
Land and Building	16,00,000	24,00,000
(7) Cash and Cash Equivalents :		
Cash at Bank		5,00,000

प्रश्न 5 निम्नलिखित सूचना से 31 मार्च, 2017 को ज्योति लि. का तुलन-पत्र बनाइए:

भवन ₹ 10,00,000 ; मैट्रो टायर लि. के अंशों में निवेश ₹ 3,00,000; भण्डार और अतिरिक्त पुर्जे ₹ 1,00,000 ; लाभ-हानि विवरण (डेबिट) शेष ₹ 90,000; ₹ 20 प्रत्येक वाले 5,00,000 पूर्ण प्रदत्त समता अंश; पूँजी शोधन कोष ₹ 1,00,000; 10% ऋणपत्र ₹ 3,00,000; अदत्त लाभांश ₹90,000; अंश विकल्प अदत्त खाता ₹10,000

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Jyoti Limited
Balance Sheet
as at ..... (relevant data only)

Particulars	Note No.	Amount ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
(1) Shareholders' Funds :		
(a) Share Capital	1	1,00,00,000
(b) Reserves and Surplus	2	20.000
(2) Non-Current Liabilities :		
(a) Long-term Borrowings	3	3,00,000
(3) Current Liabilities :		
(a) Other Current Liabilities	4	90,000
II. ASSETS :		
(1) Non-Current Assets :		
(a) Fixed Assets :		
(i) Tangible Assets	5	10,00,000
(2) Current Assets :		
(a) Current Investments	6	3,00,000
(b) Inventories	7	1,00,000

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹	Amount ₹
(1) Share Capital :		
Issued, Subscribed and fully paid-up Capital :		
5,00,000 Equity Shares of ₹ 20 each		1,00,00,000
(2) Reserves and Surplus :		
Statement of Profit and Loss (Dr. Balance)	(90,000)	
Capital Redemption Reserve	1,00,000	
Share Options Outstanding Account	10,000	20,000
(3) Long-term Borrowings :		
10% Debentures		3,00,000
(4) Other Current Liabilities :		
Unpaid Dividends		90,000
(5) Tangible Assets :		
Building		10,00,000
(6) Current Investments :		
Investments in the shares of Metro Tyres Limited		3,00,000
(7) Inventories :		
Stores & Spares		1,00,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 6 बृंदा लि. ने निम्नलिखित सूचनाएँ प्रदान कीं:

(क) ₹ 100 प्रत्येक वाले 25,000,10% ऋणपत्र।

(ख) ₹ 10,00,000 का बैंक ऋण जो 5 वर्ष बाद देय है।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(ग) ऋणपत्रों पर ब्याज अभी दिया जाना बाकी है।

31 मार्च, 2017 को कम्पनी के तुलन-पत्र में उपरोक्त मदों को दर्शाइए।

उत्तर –

Books of Brinda Limited
Balance Sheet
as at .....

Particulars	Note No.	31.3.2017 Amount ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
Non-Current Liabilities :		
Long-term Borrowings	1	35,00,000
Current Liabilities :		
Other Current Liabilities	2	2,50,000

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹	Amount ₹
(1) Long-term Borrowings :		
25,000, 10% Debentures of ₹ 100 each	25,00,000	
Bank Loan	10,00,000	35,00,000
(2) Other Current Liabilities :		
Interest accrued and due on 10% debentures		2,50,000

प्रश्न 7 निम्नलिखित सूचना से 31 मार्च, 2017 को ब्लैक स्वान लि. का तुलन-पत्र तैयार कीजिए:

1. सामान्य संचय (General Reserve)	3,000
2. 10 % ऋणपत्र (10% Debentures)	3,000
3. लाभ - हानि विवरण का शेष (Balance in Statement of Profit and Loss)	1,200
4. स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास (Depreciation on Fixed Assets)	700
5. सकल खण्ड (Gross Block)	9,000
6. चालू देयताएँ (Current Liabilities)	2,500
7. प्रारम्भिक व्यय (Preliminary Expenses)	300
8. 10% अधिमानी अंश पूँजी (10% Preference Share Capital)	5,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

9. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यांक (Cash and Cash Equivalents)	6,100

उत्तर –

Books of Black Swan Limited
Balance Sheet
as at March 31, 2017

Particulars	Note No.	Amount ₹
I. EQUITY AND LIABILITIES :		
(1) Shareholders' Funds :		
(a) Share Capital	1	5,000
(b) Reserves and Surplus	2	3,900
(2) Non-Current Liabilities :		
(a) Long-term Borrowings	3	3,000
(3) Current Liabilities :		2,500
Total		14,400
II. ASSETS :		
(1) Non-Current Assets :		
(a) Fixed Assets :		
(i) Tangible Assets	4	8,300
(2) Current Assets :		
(a) Cash and Cash Equivalents		6,100
Total		14,400

Notes to Accounts :

Particulars	Amount ₹	Amount ₹
(1) Share Capital :		
Issued, Subscribed and fully paid-up Capital :		
10% Preference Share Capital		5,000
(2) Reserves and Surplus :		
General Reserve	3,000	
Balance in Statement of Profit and Loss	1,200	
Less : Preliminary Expenses	(300)	3,900
(3) Long-term Borrowings :		
10% Debentures		3,000
(4) Tangible Assets :		
Gross Block	9,000	
Less : Depreciation on Fixed Assets	(700)	8,300

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)